डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
22 जुलाई 2024
सोमवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
32 अधिकतम
24 न्यूनतम

Page- 7

संसद का बजट सत्र शुरू, सरकार ने पेश किया आर्थिक सर्वेक्षण, नीट पर हंगामा

बजट होगा मजबूत, 24 घंटे पहले ही मोदी ने बताया मर्म

नई दिल्ली , एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार का पूर्ण बजट कल पेश होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में इसे पेश करेंगी। इससे पहले आज संसद का बजट सत्र भी शुरू हो गया और इस मौके पर पीएम मोदी ने 24 घंटे पहले ही बता दिया कि कल पेश होने वाला आम बजट कैसा होगा। उन्होंने कहा कि हम कल मजबूत बजट पेश करने वाले हैं, जो साल 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में पेश करने पर केंद्रित होगा। आने पांच वर्ष हमारे लिए बेहद खास हैं। मोदी ने कहा कि ये बजट सत्र है और मैं देशवासियों को जो गारंटी देता रहा हूं, उन गारंटियों को पूरा करने के लक्ष्य पर हमें आगे बढ़ना है। उन्होंने देश की इकोनॉमी पर बात करते हुए कहा कि भारत लगातार दुनिया में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाला देश बना हुआ है और लगातार तीन बार से 8 फीसदी ग्रोथ के साथ हम विकास के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं. पॉजिटिव आउटलुक और लगातार बढ़ रहा इन्वेस्टमेंट इस बात का सबूत है।

बजट से पहले टूटा बाजार का हौसला

इधर कल पेश होने वाले आम बजट से ऐन पहले आज शेयर बाजार में भारी उथल-पुथल रही। इस उतलपुथल के बीच मुकेश अंबानी की कंपनी के शेयर बुरी तरह फिसले। सेंसेक्स ने मार्केट ओपन होने के साथ ही 500 अंक का गोता लगाया, लेकिन उसके बाद तेज रिकवरी करता दिखा। वहीं

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी फिसलकर खुला, लेकिन बाद में किसी तरह ग्रीन जोन में आ गया। सोमवार को शेयर बाजार में गिरावट के बीच जो शेयर सबसे ज्यादा टूटे, उनमें लार्ज कैप कंपनियों में शामिल कोटक बैंक 3.52त्न की गिरावट के साथ 1757 रुपये पर आ गया, तो वहीं एशिया के सबसे अमीर मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस का शेयर 2.01त्न फिसलकर 3047 रुपये पर ट्रेड करने लगा।

संसद में नीट पर हंगामा, राहुल ने कहा शिक्षा मंत्री कुछ समझ नहीं पा रहे..!

नई दिल्ली। संसद में बजट सत्र की शुरूआत हंगामेदार रही। सत्र के पहले ही दिन लोकसभा में पेपर लीक मामले को लेकर जमकर हंगामा हुआ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने देश के परीक्षा सिस्टम को फ्रॉड बताया व कहा कि कहा कि शिक्षा मंत्री समझ नहीं पा रहे कि क्या हो रहा है। राहुल गांधी के आरोपों पर शिक्षा मंत्री ने भी पलटवार किया। राहुल ने कहा, 'ये देश के लिए जानना जरूरी है कि हमारी परीक्षा सिस्टम में दिक्कत है नीट ही नहीं सबक जगह ये समस्या है। मुझे नहीं लगता कि शिक्षा मंत्री कुछ समझ पा रहे हैं। अभी जो रहा है उससे देश चिंतित है, भारतीय परीक्षा सिस्टम फ्रॉड है। लाखों लोगों का मानना है कि अगर आप अमीर हैं और आपके पास पैसा है तो आप इंडियन एग्जामिनेशन सिस्टम को खरीद सकते हैं। आप क्या कर रहे हैं, सिस्टेमिक लेवल पर क्या कर रहे हैं।' वहीं मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, मेरी शिक्षा और संस्कार और जो सामाजिक जीवन है उसे जनता की स्वीकृति मिली है, मुझे किसी की स्वीकृति इस सदन में नहीं चाहिए। देश के प्रजातंत्र में मेरे नेता मोदी को पीएम की भूमिका दी है, उनके निर्णय से यहां सदन से उत्तर दे रहा हूं।

आर्थिक सर्वे पेश जीडीपी बढेगी, एक्सपोर्ट पर झटका

केंद्र सरकार बजट से पहले देश का आर्थिक सर्वेक्षण संसद के पटल पर पेश कर दिया है। लोकसभा में पेश हुए इस इकोनॉमिक सर्वे में सरकार का पूरा फोकस प्राइवेट सेक्टर और पीपीपी पर रहा है। सर्वेक्षण में भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.5 से 7 फीसदी तक है। वहीं इस आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने एक बड़ी चुनौती का भी जिक्र किया है. सरकार का कहना है कि ग्लोबल चुनौतियां की वजह से एक्सपोर्ट के मोर्चे पर देश को थोड़ा झटका लग सकता है, लेकिन सरकार इसको लेकर भी पूरी तरह से सतर्क है. इसमें कहा गया है कि ग्लोबल बिजनेस में चुनौतियां पेश आने की आशंका है. दरअसल, ग्लोबल अनिश्चितता से कैपिटल फ्लो पर असर देखने को मिल सकता है। रोजगार को लेकर भी सर्वे में डाटा पेश किया गया है। इसमें कहा गया है कि जनसंख्या अनुपात में ग्रोथ के साथ कोरोना महामारी के बाद से देश की सालाना बेरोजगारी दर में गिरावट दर्ज की जा रही है। मार्च 2024 में 15+ आयु वर्ग के लिए शहरी बेरोजगारी दर पिछले वर्ष के 6.8 प्रतिशत से घटकर 6.7त्न पर आ गई है।

मप्र में कांवड़ यात्रा मार्ग के दुकानदारों को उजागर नहीं करना पड़ेगा नाम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव की सरकार उत्तरप्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के पुष्कर सिंह धामी की राह पर नहीं चलेगी। यानि मप्र में कावड़ यात्रा मार्ग के किसी भी दुकानदार को अपनी पहचान उजागर करने की जरुरत नहीं होगी। मोहन सरकार ने इसको लेकर रविवार देर रात स्थिति साफ की। निकायों को साफ निर्देश दे दिए गए कि 'पहले से इस तरह के कोई आदेश नहीं है, इसलिए किसी तरह के भ्रम में पड़ने की जरुरत नहीं है।'

अब ताजा निर्देशों में सरकार की ओर से कहा गया कि नगरीय निकाय ने मध्यप्रदेश आउटडोर विज्ञापन मीडिया नियम-2017 के तहत दुकानों पर बोर्ड लगाए जा सकते हैं लेकिन इन बोर्डों पर दुकान मालिक का नाम प्रदर्शित करने की कोई अनिवार्यता नहीं होगी। सूत्रों के मुताबिक यूपी व उत्तराखंड सरकार के फरमानों की तारीफ होने की बजाए निंदा होने लगी थी। इसे कई लोग गलत बताने लगे थे। ऐसे लोगों का कहना है कि यह फरमान बांटने वाला है।

मांगों के बावजूद, अनुसरण के दबाव से मुक्तः उल्लेखनीय है कि उत्तरप्रदेश की योगी सरकार ने कावड़ यात्रियों के मार्ग में पड़ने वाली दुकानों के सामने उनके मालिकों के नाम लिखने का फरमान जारी किया है। उत्तराखंड की धामी सरकार ने भी अनुसरण किया तो देशभर में बहस छिड़ गई। मप्र में भाजपा के कुछ विधायक इसकी मांग करने लगे। उज्जैन महापौर मुकेश टटवाल ने तो रविवार से उक्त व्यवस्था को अमल में लाने का मन बना लिया था तो वहीं इंदौर से भाजपा विधायक रमेश मेंदोला ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर यूपी, उत्तराखंड जैसी व्यवस्था लागू करने की पैरवी कर दी थी।

बागेश्वर धाम में छूट नहीं, 10 दिन का अल्टीमेटम !

इधर मप्र के छतरपुर जिले स्थित बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने उप्र और उत्तराखंड की तरह बागेश्वर धाम में लगी दुकानों पर नेम प्लेट लगाने को कहा है और इसके लिये दस दिन का समय दिया है। उन्होंने कहा कि 'धाम की सभी दुकानों और होटलों के बाहर मालिक का नाम जरूरी है और यह अच्छा काम है। हमें अपने बाप का नाम लिखने में क्या तकलीफ है. इस कार्य की तो सराहना होनी चाहिए।' बताया जाता है कि धाम समिति की बैठक में पीठाधीश्वर आदेश पर मुहर लगाएंगे। पं धीरेंद्र शास्त्री ने हमें न राम से दिक्कत है और न रहमान से दिक्कत है, हमें कालनेमियों से दिक्कत है। इसलिए दुकान के नेम प्लेट टांग दो, जिससे आने वाले श्रद्धालुओं का धर्म और पवित्रता भ्रष्ट न हो। ये हमारी आज्ञा है कि बागेश्वर धाम के सभी दुकानदार 10 दिन के अंदर नेम प्लेट टंगवा लें, नहीं तो ध्यान समिति की ओर से कानून को साथ में लेकर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंध हटा:सरकारी कर्मचारी भी संघ गतिविधि में हो सकेंगे शामिल

नई दिल्ली , एजेंसी।

गृह मंत्रालय ने सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गतिविधियों में शामिल होने पर लगा प्रतिबंध बीते दिनों हटा लिया है। इस आदेश में केंद्र सरकारों के द्वारा 1966, 1970 और 1980 के उन आदेशों में संशोधन किया गया है, जिनमें कुछ अन्य संस्थाओं के साथ-साथ आरएसएस की शाखाओं और अन्य गतिविधियों में शामिल होने पर सरकारी कर्मचारियों पर कड़े दंडात्मक प्रावधान लागू किए गए थे। अब संघ ने इस आदेश का स्वागत किया है। दरअसल, आरोप है कि पूर्व की कांग्रेस सरकारों ने समय-समय पर सरकारी कर्मचारियों की संघ के कार्यक्रमों में शामिल होने पर रोक लगा दी थी। सेवानिवृत होने के बाद पेंशन लाभ इत्यादि को ध्यान में रखते हुए भी अनेक सरकारी कर्मचारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने से बचते थे। हालांकि, इस बीच मध्यप्रदेश सहित कई राज्य सरकारों ने इस आदेश को निरस्त कर दिया था, लेकिन इसके बाद भी केंद्र सरकार के स्तर पर यह वैध बना हुआ था।

पूर्व फौजी ने काटा मां और भाई-भाभी का गला, मासूमों को भी नहीं बख्शा

अंबाला । अंबाला के नारायणगढ़ में जमीन विवाद को लेकर रविवार रात पूर्व फौजी ने घर में कत्लेआम मचा दिया। नारायणगढ़ के पीर माजरी रतोर गांव में जमीन विवाद के चलते फौजी भूषण ने अपने भाई, भाभी, छह माह के भतीजे, 5 साल की भतीजी और मां की गला रेत कर हत्या कर दी। आरोपी ने हत्या करने के बाद शवों को जलाने का भी प्रयास किया। आरोपी के पिता ओम प्रकाश ने उसका विरोध किया तो उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया। भाई की एक बेटी गंभीर रूप से घायल है। हत्याकांड के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

नीट सुनवाईः सुप्रीम कोर्ट ने कहा-इसके सामाजिक प्रभाव

नई दिल्ली , एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने विवादों से घिरी नीट-यूजी परीक्षा से जुड़ी याचिकाओं पर फिर सुनवाई शुरू की। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि इसके सामाजिक प्रभाव हैं। इस बीच याचिकाकर्ताओं के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि हृञ्ज ने पेपर लीक होने और वॉट्सऐप के जरिए लीक हुए प्रश्नपत्रों के प्रसार की बात स्वीकार की है। याचिकाकर्ताओं-छात्रों के वकील की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता नरेंद्र हुड्डा ने कोर्ट को बताया कि बिहार पुलिस की जांच के बयानों में कहा गया है कि लीक 4 मई को हुआ था और संबंधित बैंकों में प्रश्नपत्र जमा करने से पहले हुआ। कोर्ट मामले में 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। याचिकाओं में एनटीए की अर्जियां भी शामिल हैं। एनटीए ने विभिन्न हाइकोर्ट में उसके खिलाफ लंबित मामलों को सुप्रीम कोर्ट स्थानांतरित करने की मांग की है। ज्ञात हो कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 पांच मई को आयोजित की गई थी। इससे पहले राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा के शहर और केंद्रवार परिणाम जारी किए थे। एनटीए द्वारा जारी आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं से कथित तौर पर लाभान्वित होने वाले उम्मीदवारों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। हालांकि, कुछ केंद्रों पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों की संख्या अधिक थी।

पहली सोमवारी पर बिहार में बड़ा हादसा, चार मौतें

भागलपुर । भागलपुर जिला के नारायणपुर प्रखंड अंतर्गत भवानीपुर थाना क्षेत्र के मधुरापुर गंगा जहाज घाट पर नहाने के क्रम में सोमवार को डूबने से चार लडकों की मौत हो गई। गोताखोरों की मदद से तीन लडकों के शव नदी से निकाल कर परिजनों को सौंप दिया गया है। एक की खोजबीन जारी है। मरने वाले सभी नवगछिया थाना क्षेत्र के नया टोला के रहने वाले है। परिजनों ने बताया कि पहली सोमवारी को लेकर नवगछिया नया टोला गांव से 11 लडके गंगा स्नान के लिए मधुरापुर गंगा जहाज घाट आये थे। गहरे पानी में जाने की वजह से पहले एक लडका डूबने लगा। उसको बचाने दूसरा लडका पहुंचा। इसी तरह एक-दूसरे को बचाने के चक्कर में एक एक कर 11 लडके डूबने लगे। स्थानीय लोगों की मदद से सात लडकों को बचा लिया गया। वहीं चार लडके डूब गए।

पूजा खेडकर के बाद विवादों में एक और आईएएस अधिकारी

हैदराबाद । ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के चयन को लेकर उठे विवाद के बीच एक वरिष्ठ नौकरशाह ने सिविल सेवाओं में दिव्यांगों के लिए आरक्षण की जरूरत पर सवाल उठाया है। तेलंगाना वित्त आयोग की सदस्य सचिव स्मिता सभरवाल ने कहा कि जमीनी काम की मांग के कारण दिव्यांगों के लिए नौकरी करना कठिन हो जाता है।

दिव्यांगों के प्रति पूरा सम्मान रखते हुए स्मिता सभरवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'क्या कोई एयरलाइन दिव्यांग को पायलट के काम पर रखती है? या आप दिव्यांग सर्जन पर भरोसा करेंगे।'

मेट्रो एंकर

अगले 30 साल की तैयारी में सेना ज्यादा मारक बनेगा सुखोई

अपग्रेड करने की योजना में खर्च होंगे 63 हजार करोड़ रु.

नई दिल्ली , एजेंसी।

भारतीय वायसुना का प्रमुख हथियार 'सुखोई' अब अपडेट व अपग्रेड किया जा रहा है। दरअसल यह सेना की अगले तीन साल की तैयारी है। सुखोई-30MKI लड़ाकू विमानों को और भी शक्तिशाली बनाने के लिए रक्षा मंत्रालय ने 84 सुखोई जेट के पहले बैच को अपग्रेड करने के लिए लगभग 63 हजार करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दे दी है। इस अपग्रेडेशन के बाद ये सुखोई जेट अगले 30 साल तक आसमान में दुश्मनों को धूल चटा सकेंगे। इसमें जेट में एडवांस्ड रडार, बेहतर इलेक्ट्रॉनिक्स, लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियार और मल्टी-सेंसर फ्यूजन जैसी कई खूबियां जोड़ी जाएंगी। ताकि सुखोई जेट पांचवी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों को टक्कर दे सकें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये अपग्रेडेड सुखोई जेट 2055 तक उड़ान भरते रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि अभी भारतीय वायुसेना के पास सिर्फ 30 लड़ाकू स्क्वाड्रन हैं, जबकि उसे चीन और पाकिस्तान दोनों से निपटने के लिए 42 स्क्वाड्रन की जरूरत है। हर स्क्वाड्रन में 16-18 जेट होते हैं। ऐसे में इन सुखोई जेट का अपग्रेड होना बहुत जरूरी है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड अगले 15 साल में इन 84 सुखोई जेट को अपग्रेड करेगा। सीसीएस से मंजूरी के बाद, इसके डिजाइन और विकास में सात साल लगेंगे। इसके बाद जेट को बैचों में अपग्रेड करके वायुसेना में शामिल किया जाएगा।

259 सुखाई जेट,वायुसेना की रीढ़

भारत के पास अभी 259 सुखोई जेट हैं, जो उसकी लड़ाकू क्षमता की रीढ़ हैं। इनमें से ज्यादातर जेट एचएएल ने रूस से लाइसेंस लेकर बनाए हैं। इसके अलावा, दुर्घटनाग्रस्त हुए जेट की भरपाई के लिए 11,500 करोड़ रुपये में 12 नए सुखोई जेट और उनके उपकरण खरीदे जा रहे हैं। अगले 15 साल में भारत के पास खुद का पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान यानि एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट होगा। इसकी तकनीक का इस्तेमाल पहले 84 जेट के बाद अपग्रेड किए जाने वाले सुखोई जेट में किया जाएगा।

बौद्ध भिक्षुओं का वर्षावास प्रारंभ

भोपाल। मैत्रीय बुद्ध महाविहार उपासिका संघ एवं बुद्धभूमि महाविहार उपासक संघ का संयुक्त आयोजन आषाढ़ी पूर्णिमा,वर्षावास प्रारंभ समारोह का आयोजन बुद्धभूमि महाविहार मॉनेस्ट्री, चुनाभट्टी में हुआ। वरिष्ठ बौद्ध धम्मगुरु भन्ते शाक्यपुत्र सागर थेरो ने 24वां वर्षावास का अधिष्ठान ग्रहण किया एवं इस अवसर पर उनके शिष्य भन्ते राहुलपुत्र एवं सहयोगी भंते संघशील, ग्वालियर थे। इस अवसर पर उपासिका/उपासकओं ने भिक्षु संघ का सामूहिक भोजन दान एवं संघदान किया। शाक्यपुत्र सागर ने कहा कई कारणों से बुद्ध ने संघ को वर्षावास मनाने का आदेश दिया और तब से भारत में और बाद में बौद्ध देशों में वर्षावास शुरू हुआ और आज तक चला आ रहा है

पाल समाज का वैवाहिक परिचय सम्मेलन

भोपाल। मप्र पाल समाज परमार्थिक लोक न्यास के तत्वधान में नियमित सदस्य परिवारों के लिए 40 वा वैवाहिक परिचय सम्मेलन,साधारण सभा और ट्रस्टियों कि बैठक का कार्यक्रम हुआ। समाज के अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद पाल ने बताया कि कार्यक्रम में मप्र,उ.प्र,राजस्थान, गुजरात,सी.जी,महाराष्ट्र आदि प्रांतों से विवाह योग्य युवक युवती अपने अभिभावकों के साथ शामिल हुए। परिचय सम्मेलन में समाज के लगभग 60 युवक युवतियों ने अपने जीवनसाथी और जीवनसंगिनी को लेकर अपनी पसंद बताई तथा अपना परिचय दिया। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा वर्ष में दो बार जुलाई और दिसंबर माह में युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाता रहता है ताकि समाज के लोगों और अभिभावकों को रिश्ते तलाशने में किसी भी प्रकार कि असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर सामाजिक बंधुओं के लिए निशुल्क मेडिकल कैंप का भी आयोजन किया

जिला प्रशासन, पुलिस और ननि में हटाया अतिक्रमण

10 साल से बंद हमीदिया अस्पताल का गेट नंबर एक आज खुलेगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। हमीदिया अस्पताल का करीब 10 साल से बंद गेट नंबर एक आज खुल जाएगा। जिससे अब लोगों को अस्पताल जाने में बड़ी राहत मिलेगी। वहीं दो और चार पहिया वाहन भी आसानी से जा सकेंगे। हमीदिया के गेट नंबर एक के खुलने से जेपी अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों से आने वाली एंबुलेंस को सीधा रास्ता मिलेगा।

दरअसल, यहां लंबे समय से अतिक्रमणकारियों ने कब्जा कर रखा था और दुकानें, ठेले लगाए जा रहे थे। नतीजन मरीज और उनके स्वजनों को अस्पताल में जाने के लिए काफी घूमकर जाना पड़ता था। जिला प्रशासन, पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम ने रविवार शाम तक बड़ी कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण को हटा दिया है। मुख्य गेट के सामने पसरे अतिक्रमण पर रविवार को एसडीएम लक्ष्मीकांत खरे की मौजूदगी में कार्रवाई शुरू की गई। अब यह गेट सोमवार से सभी के लिए पूरी तरह से खोल दिया जाएगा।

मामला सर्वधर्म ब्रिज का, अभी लोकार्पण है बाकी, ट्रेफिक चालू

5 करोड़ के नवनिर्मित पुल के ज्वाइंट खुले, ताबड़तोड़ चल रही रिपेयरिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सड़क यातायात में सबसे जटिल बना कोलार रोड का कलियासोत नदी का ब्रिज अब फिर मुसीबत का नया सबब बना है । क्योंकि इसके औपचारिक लोकार्पण से पहले ही इसके ज्वाइंट खुले हुए नजर आ रहे हैं। इसीलिये बीते दिनों करीब पांच करो? रुपए से बने ब्रिज पर सियासत गर्मा गई है। कांग्रेस ने ग?ब?ी की शिकायत की। इधर, स्पान के ज्वाइंट की रिपेयरिंग भी पीडब्ल्यूडी ने शुरू कराई है। जहां ज्वाइंट खुले हैं, उसके आसपास के क्षेत्र को कवर किया है। दरअसल सर्वधर्म कॉलोनी में पुराने ब्रिज से सटकर ही नया ब्रिज बना है। इसके ऊपर से कुछ महीने पहले ही ट्रैफिक शुरू हुआ है, लेकिन उद्घाटन होना बाकी है। अब नए ब्रिज के स्पान के ज्वाइंट खुल गए।

इस मामले में तीन दिन पहले कांग्रेस नेताओं ने पीडब्ल्यूडी के प्रमुख अभियंता आरके मेहरा से शिकायत की थी और कहा था कि ब्रिज भ्रष्टाचार का शिकार हुआ है। ब्रिज के स्पान के ज्वाइंट खुल गए हैं। वहीं, सीमेंट कॉन्क्रीट की परत भी उख?ने लगी है। कांग्रेस के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष राहुल सिंह राठौ? समेत अन्य कांग्रेसियों ने जांच की मांग की है। राठो? ने बताया कि शिकायत के बाद प्रमुख अभियंता मेहरा ने जांच के आदेश दिए। तकनीकी समिति निरीक्षण कर जांच करेगी। जांच के दौरान ही पीडब्ल्यूडी ने रिपेयरिंग शुरू कराई है।

छुट्टी के दिन जारी रही मरम्मत

पीडब्ल्यूडी ने शनिवार और रविवार को ब्रिज की दिनभर मरम्मत की। इसके दोनों ओर के क्षेत्र को भी कवर किया है। हालांकि, इससे ट्रैफिक भी बाधित हो रहा है।मगर अधिकारी इस काम को जल्द पूरा करने की कोशिश में हैं ताकि बखेड़ा न बढ़ें।

सड़कों से अवरोध हटाने की कोशिशें

शहर की सड़कों को वर्षा के दौरान अवरोधों से मुक्त रखने की कोशिश हो रही है। कई जगह निर्माण सामग्री से सड़कें बाधित हैं तो अनेक जगह अतिक्रमण या ठेलों ने कब्जा कर रखा है। दूसरी तरफ गोवंश भी यातायात में बाधक बन रहा है। अब नगर निगम ने सड़कों पर गोवंश को छोड़ने वाले मालिकों से कहा है कि वह उपयोग के बाद इस तरह खुला न छोड़ें। निगम आयुक्त ने वर्षा के दौरान शहर में बेसहारा गोवंश की बढ़ती संख्या को देखते हुस समीक्षा की और में इनकी वजह से आवागमन बाधित होता है और आमजन को परेशानी का सामना करना प? रहा है। स?कों पर गोवंश के कारण दुर्घटनाएं भी हो रही है। जिसमें नागरिकों के घायल होने के साथ ही गोवंश के घायल होने की घटनाओं में भी लगातार वृद्धि हो रही है। भोपाल नगर नि?गम की गौवर्धन परियोजना शाखा द्वारा प्रतिदिन औसतन 30 गोवंश को आसरा और पशु चिकित्सालयों में उपचार के लिए भेजा जा रहा है। जबकि पहले यह संख्या 10 के आसपास थी। तीन गुना होने के बाद भी में सुधार नहीं है। शहर में जगह जग गोवंश सड़कों पर नजर आता है।

जिला उपभोक्ता आयोग

बीमा कंपनी ने क्लेम देने से किया इंकार अब देना होगा 60 हजार रुपए हर्जाना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बीमा कंपनी द्वारा क्लेम निरस्त करने के एक चार साल पुराने मामले में जिला उपभोक्ता आयोग ने उपभोक्ता को राहत दी है। मामले में आयोग ने उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाते हुए बीमा कंपनी को आदेश दिए हैं कि वह उपभोक्ता को 60 हजार रुपये देने का हर्जाना दे। जानकारी के अनुसार, दरअसल जिला उपभोक्ता आयोग में होशंगाबाद रोड निवासी डा. रणवीर सिंह, तेजिंदर सिंह व रमनिक कौर ने यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस व अस्पताल के खिलाफ याचिका 2020 में लगाई थी। आयोग की अध्यक्ष गिरिबाला सिंह, सदस्य अंजुम फिरोज व सदस्य अरुण प्रताप सिंह ने निर्णय सुनाते हुए बीमा कंपनी पर 60 हजार रुपये देने का हर्जाना लगाया।

यह है पूरा मामला

आयोग के समक्ष शिकायत की गई थी कि परिवादी ने पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा लिया था। जिसका प्रीमियम 19 हजार रुपये का था। जब परिवादी के पेट में दर्द हुआ और

अस्पताल में भर्ती हुआ तो पेट संबंधी बीमारी इको-कार्डियोग्राफी की गई। परिवादी को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा और 30 हजार रुपये का खर्च आया। बीमा कंपनी ने बीमा राशि देने से इंकार कर दिया। वहीं बीमा कंपनी ने तर्क रखा कि परिवादी को पहले से ही पेट संबंधी बीमारी थी, लेकिन उन्होंने बीमा लेते समय छुपाया। साथ ही इतनी ब?ी बीमारी नहीं थी कि, जिसके लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़े। इस आधार पर कंपनी ने क्लेम को निरस्त किया।

याद रखना तुम संसार में ईश्वर को पाने आए हो: संत लालसाई

टैंपल ऑफ़ संबोधि में मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव वेदांत संत लालसाईजी के सानिध्य में टैंपल ऑफ संबोधि में मनाया गया। सैकड़ों लोगों ने वेदांत संत लालसाई से आशीर्वाद लेकर उनका वंदन किया। साई से मुलाकात और आशीर्वाद प्राप्त करने का सिलसिला देर शाम तक चलता रहा।

गुरु पूनम के इस पावन महोत्सव के उपलक्ष में वेदांत संत लाल साई जी महाराज के पावन सानिध्य में भजन कीर्तन और प्रवचन हुए

साई ने गुरु पूनम महोत्सव के इस आयोजन के दौरान एक छोटी सी कथा बताते हुए कहा कि एक भोला भाला युवक था वो और उसकी माँ के घर बनाते हैं अब माँ

युवक से कहती है कि तुम बाज़ार जाओ और ईश्वर की एक सुंदर सी मूरत ले आओ जिस को हम मंदिर में विराजमान करें । युवक जब जाने को होता है तो माँ कहती है मैं तुम्हारे कुर्ते में गाँठ बाँध देती हूँ जिससे कि तुम मूर्ति ले आना नहीं भूलोगे। परंतु शाम को जब वह लौटता है इस्से हाथ ख़ाली देखकर माँ ने पूछा की मूर्ति कहा तो उसने कहा मैं तो मूरत लाना भूल गया । माँ ने पूछा गाँठ क्यों लगायी थी? आगे साई ने कहा कि हमसे भी यही ग़लती होती है गुरु मंत्र याद रहता है गुरुजी याद रहते है परंतु हम यह भूल जाते है कि हम परमात्मा की खोज में गुरु के पास आए थे गुरु से मंत्र पाए थे और वो मंत्र गाँठ की तरह है जो हमारे मन पर सदा चोट करता रहता है । मन उस गाँठ रूपी मंत्र को पकड़ लेता है लेकिन ईश्वर को प्रेम नहीं कर पाता ,ध्यान नहीं कर पाता अगर इसी अवस्था में तुम रहोगे तो तुम भी अटकोगे गुरु को भी अटकाओगे । बस एक बात याद रख लो तुम इस संसार में ईश्वर को पाने आए हो, ईश्वर से मेरा तात्पर्य उस सच्चिदानंद से है जो तुम्हारा निज स्वाभाव है ।

प्रलय की 'अभिव्यक्ति के चार दशक' का विमोचन कल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल कल वैशाली नगर कोटरा के राज्य पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में जनसंपर्क विभाग के संयुक्त संचालक और लेखक प्रलय श्रीवास्तव की नवीन पुस्तक 'अभिव्यक्ति के चार दशक' का विमोचन करेंगे । विमोचन कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ,पशुपालन राज्य मंत्री लखन पटेल , विधायक अर्चना चिटनिस भगवान दास सबनानी, सेवानिवृत आईएएस मनोज श्रीवास्तव और वरिष्ठ पत्रकार महेश श्रीवास्तव भी उपस्थित रहेंगे। प्रलय श्रीवास्तव की पहली पुस्तक 'मध्य प्रदेश में चुनाव नवाचार' का विमोचन वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ की तत्कालीन राज्यपाल अनुसुइया उइके ने भोपाल में किया था। 'अभिव्यक्ति के चार दशक' उनकी दूसरी पुस्तक है, जिसमें विगत 40 वर्षों के दौरान लिखे गए और समाचार पत्र- पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए लेखों का संग्रह तथा अन्य विषयों पर आधारित सामग्री का प्रकाशन किया गया है।

'तन शुद्ध करना है तो सबसे पहले मन की शुद्धी जरूरी'

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केन्द्र में चल रहे दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर में अनुभव सत्र का आयोजन किया गया। आहार विशेष धरती बेन ठक्कर ने स्वस्थ रहने के सूत्र दिए। वहीं शिविरार्थियों ने अनुभव रखे, जिसमे देश के विभिन्न हिस्सों से आए 83 साधकगणों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। धरती बेन ठक्कर ने आज-कल सब दवा व दर्द रहित जीवन जीना चाहते हैं। प्राकृतिक चिकित्सा उत्तम में उत्तम हैं क्योंकि इसमें रोगों का निवारण जड़ से होता है।उन्होंने एनीमा के बारे में बताया कि स्वस्थ रहना है तो एनीमा को अपने जीवन में नियमित अपनाए। तन शुद्ध करना है तो सबसे पहले मन की शुद्धी करनी होगी। कार्यक्रम के समापन में डॉ. लता टेवानी ने आभार व्यक्त किया। अगला शिविर 22 से 31जुलाई तक आयोजित किया जाएगा।

शिविर में किया गया उपचार: डिप्रेशन, डायबिटीज, हायपोथायरायडिज्म, कब्ज, ऑस्टियोआर्थराइटिस, हाइपरटेंशन, मोटापा, पॉजीटिव प्रमोशन इन हेल्थ, गैस्ट्राइटिस, इनसोमनिया, माइग्रेन, हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया, अस्थमा, लम्बर स्पॉन्डिलाइटिस, साइटिका और फ्रोजन शोल्डर।

मेट्रो एंकर

नन्हें-मुन्ने बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया

गुरु से ही मिलता है जीवन में सम्मान

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

विद्यासागर पब्लिक स्कूल, राधीबाई हासोमल ख्यांतानी फाउंडेशन स्कूल, तथा अर्जन हाथीरामानी मेमोरियल प्ले स्कूल में गुरुपूर्णिमा का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब जी, माँ सरस्वती एवं माँ भारती के छायाचित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से किया गया।

विद्यासागर पब्लिक स्कूल की प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी ने कहा कि आज हम यहां गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व मना रहे हैं उन्होंने बच्चों को बताया कि आपकी शिक्षिकाएं ही आपकी गुरु हैं आपको उनकी सारी बातें मानकर उनका सम्मान करना चाहिए। विद्यासागर पब्लिक स्कूल के निदेशक भगवान दामानी ने सभी शिक्षिकाओं एवं

विद्यार्थियों को गुरु पूर्णिमा की बधाई दी। शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसाइटी के सचिव श्री घनश्याम बूलचंदानी ने इस अवसर पर स्कूल की सभी शिक्षिकाओं को गुरु पूर्णिमा की बधाई देते हुए पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया।

नन्हे- मुन्नें बच्चों ने कविता, भाषण एवं श्लोक के माध्यम से अपनी शिक्षिकाओं को श्रद्धा सुमन अर्पित किए एवं गुरु पूर्णिमा की बधाई दी, इस प्रस्तुति के लिए उन्हें पुरस्कृत भी किया गया । बच्चों ने गुरु शिष्य की वेशभूषा में अपने गुरुजनों का सम्मान किया।

पूर्व शिक्षिकाओं का सम्मान

सिंधु समाज द्वारा संचालित जवाहर सिंधु विद्यालय में गुरु पूर्णिमा पर विद्यालय में सेवाएं दें चुकीं शिक्षिकाओं का सम्मान किया गया। प्रबंधन समिति ने मीरा रामनानी, मीना आसवानी, गोपी हरचंदनानी, शारदा भरवानी, रेखा बिरले व अन्य का सम्मान किया।

इग्नू में मनोविज्ञान-भगवद गीता पाठ्यक्रमों में 31 तक प्रवेश

भोपाल। राजधानी स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा जुलाई सत्र 2024 में 13 नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए गए हैं। इन पाठ्यक्रमों में परास्नातक, स्नातक ,डिप्लोमा एवं 06 माह के प्रमाणपत्र शामिल हैं। जुलाई सत्र में प्रवेश लेने के लिए भी तिथि का विस्तार किया गया हैं, अब इच्छुक अभ्यर्थी 31 जुलाई तक ऑनलाइन प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। जुलाई सत्र में द्वितीय वर्ष /सेमेस्टर में पुन: प्रवेश लेने की भी तिथि को भी 31 जुलाई तक बढ़ा दिया गया है। इग्नू द्वारा संचालित लगभग 340 से भी अधिक पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी कॉमन प्रॉस्पेक्टस 2024 में उपलब्ध हैं। डॉ. बिनी टॉम्स, वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक, भोपाल ने बताया कि भारतीय ज्ञान परम्परा के पाठ्यक्रमों के श्रृंखला में, इग्नू ने भगवद गीता अध्ययन में दो वर्षीय एम.ए. प्रारम्भ किया है जिसमे किसी भी विषय से स्नातक किए हुए अभ्यर्थी प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त गृह विज्ञान में एम् एस सी प्रारंभिक बाल्यावस्था विशेष शिक्षा में प्रमाणपत्र जिसमे दृष्टि ,श्रवण एवं बौद्धिक विकास से बाधित विषयों में विशेषज्ञता सम्मिलित है। उप निदेशक, डॉ. अंशुमान उपाध्याय ने बताया, कि ज्योतिष ,वास्तु शास्त्र ,वैदिक गणित,संस्कृत, हिन्दू अध्ययन एवं वैदिक अध्ययन के पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारम्भ है। इसके अतिरिक्त परास्नातक स्तर पर 77 पाठ्यक्रम, स्नातक स्तर पर 19 विषयों ,पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा स्तर पर 86 पाठ्यक्रम एवं पोस्ट ग्रेजुएट सर्टीफिकेट स्तर पर 14 पाठ्यक्रम, डिप्लोमा स्तर पर 29 तथा 06 माह के 81 सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम जुलाई सत्र के प्रवेश के लिए उपलब्ध हैं।

उच्च पद के प्रभार की प्रक्रिया में शामिल करने के लिए निर्देश जारी

विरोध के बाद काउंसलिंग में छूटे हुए शिक्षकों को फिर बुलाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विरोध होने के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने उच्च पद प्रभार की प्रक्रिया के तहत काउंसलिंग में छूटे हुए शिक्षकों को सोमवार को फिर से काउंसलिंग के लिए बुलाया है। विभाग ने उच्च पद के प्रभार के लिए प्रदेशभर में 14 से 18 जुलाई तक काउंसलिंग आयोजित की थी। इसमें उन शिक्षकों को शामिल नहीं होने दिया गया, जिन्होंने संस्था प्राचार्य, संकुल प्राचार्य की अनुमति से योग्यता वृद्धि (स्नातकोत्तर बीएड) की है। इसका शिक्षकों ने विरोध किया। इसकी शिकायत विभागीय मंत्री सहित अधिकारियों तक पहुंची। इसके बाद काउंसलिंग से छूटे हुए शिक्षकों को उच्च पद के प्रभार की प्रक्रिया में शामिल करने के लिए एक और काउंसलिंग कराने के निर्देश दिए गए।

सक्षम स्तर से अनुमति जरूरी

हालांकि उन्हें सक्षम स्तर से अनुमति के बगैर योग्यता वृद्धि (स्नातकोत्तर, बीएड) करने के लिए अपने जिले के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) की अनुमति लेनी होगी। बगैर अनुमति के आने वाले शिक्षकों को काउंसलिंग में शामिल नहीं किया जाएगा।

नियुक्ति के लिए मैदान में उतरे प्राथमिक चयनित अभ्यर्थी, जंतर मंतर में लगाएंगे गुहार

भोपाल। मप्र प्राथमिक शिक्षक भर्ती-2020 के चयनित अभ्यर्थियों को चॉइस फीलिंग और डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन के बाद अब तक नियुक्ति नहीं मिल सकी है। ऐसे में अब इसका विरोध शुरू हो गया है। मांगे पूरी नहीं होने से नाराज प्राथमिक चयनित अभ्यर्थी अब जंतर मंतर में गुहार लगाएंगे। अभ्यर्थी मंगल सिंह ने बताया कि अभ्यर्थी 2 साल से राजधानी में नियुक्ति सहित विभिन्न मांगों को लेकर आवाज उठा चुके हैं, लेकिन आज तक मांग पूरी नहीं हुई। अब जंतर मंतर दिल्ली जाने पर मांग पूरी होगी। मंगल सिंह ने बताया कि पीएम कार्यालय से जंतर-मंतर में प्रदर्शन की अनुमति मिल चुकी है। वहां जाकर अपनी नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री से गुहार लगाएंगे। उन्होंने बताया कि विभाग ने पहली काउंसलिंग की न तो पूरी वेटिंग क्लियर की और न ही पहली काउंसलिंग के बचे हुए पदों का सही ब्यौरा दिया है। जब सेकंड काउंसलिंग हुई तो नाम रिपीट किए गए, जिससे नए अभ्यर्थियों को मौका नहीं मिल पाया। जबकि मेरिट लिस्ट और प्रतीक्षा सूची अलग अलग जारी की जाती है। जो अभ्यर्थी मेरिट में होता है उन्हीं अभ्यर्थियों की चॉइस फीलिंग करवाई जाती है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा एक ही सूची जारी कर कुछ अभ्यर्थियों के स्कूल चॉइस फीलिंग करवा ली और कुछ अभ्यर्थियों की जिला चॉइस फीलिंग करवाई गई। इस प्रक्रिया को एक साल हो गया अभी तक नियुक्ति आदेश जारी नहीं किए हैं।

आखिर क्यों छिन गया नागर का पावर?

हाल में पत्नी चुनी गई हैं सांसद, मगर भारी पड़े कांग्रेस से भाजपा में आए रावत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस से भाजपा में आकर मंत्री बनने के करीब तेरह दिन बाद विभाग हासिल कर सके रामनिवास रावत को वन पर्यावरण के तौर पर भारी जवाबदारी मिली है, लेकिन निर्वतमान वन मंत्री नागर सिंह चौहान से यह जिम्मेदारी वापस लेना चर्चा का सबब है। उनकी पत्नी अनिता सिंह नागर को हाल में लोकसभा चुनाव में जीत मिली है। चर्चा है कि नागर सिंह की अपेक्षानुसार सक्रियता नहीं होने की वजह से वन और पर्यावरण जैसे दो महत्वपूर्ण विभाग ले लिए गए। अब चौहान के पास अनुसूचित जाति कल्याण विभाग शेष है।

उल्लेखनीय है कि वन और पर्यावरण दोनों ही बड़े विभाग है। खासकर वन विभाग तो हर दृष्टि से सरकार के लिए शुरू से महत्वपूर्ण रहा है। सूत्रों के मुताबिक ऐसे विभाग का मुखिया बनाए जाने के बावजूद मंत्री नागर सिंह चौहान की विभागीय पकड़ कमजोर रही। वह सरकार को अपेक्षा के अनुसार परिणाम नहीं दिलवा पाए। हालांकि इसकी एक वजह लोकसभा चुनाव भी रहा। जिसमें उनकी पत्नी अनिता सिंह नागर को भाजपा ने प्रत्याशी बनाया था, मंत्री को उन्हें जिताने के लिए ऐड़ी–चोटी का जोर लगाना पड़ा था। सूत्रों के मुताबिक नागर की पत्नी को भाजपा ने लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाकर सबसे बड़ा ईनाम दिया था, वह जीतकर दिल्ली पहुंच गई। दूसरी तरफ रामनिवास रावत खाटी कांग्रेसी रहे हैं उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान कांग्रेस को जोर का झटका दिया था और अचानक भाजपा का दामन थाम लिया था। इससे कांग्रेस को मुरैना व भिंड में चुनावी नुकसान झेलना पड़ा। 8 जुलाई को उन्होंने मंत्री पद की शपथ ली थी। जिन्हें 13 दिन बाद दो बड़े विभाग का जिम्मा दे दिया है। मंत्रियों के बीच कामों के बंटवारे के बाद सरकार ने अधिसूचना भी जारी कर दी है। किसी भी मंत्री नागर सिंह चौहान के अलावा किसी भी मंत्री के विभागों में कोई बदलाव नहीं किए हैं।

उच्च पदभार प्रक्रिया में भेदभाव का आरोप, सीएम को लिखा पत्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य शिक्षा सेवा में नियुक्त अध्यापक संवर्ग के उच्च पद प्रभार में व्याप्त समस्याओं को लेकर एक बार फिर राज्य शिक्षक संघ आगे आया है। राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रतापसिंह को पत्र लिखा है। उन्होंने उच्च पद प्रभार प्रक्रिया में अध्यापक संघ के साथ भेदभाव का आरोप लगाया है। यादव ने लिखे पत्र में बताया कि पूरे प्रदेश में उच्च पद प्रभार की प्रक्रिया चल रही है। वर्तमान में मध्य प्रदेश के अधिकांश जिलों में पूर्व के सहायक शिक्षक, शिक्षक एवं व्याख्याता के उच्च पद प्रभार की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। लेकिन अधिकांश जिलों में अध्यापक संवर्ग के राज्य शिक्षा सेवा में नियुक्त संवर्ग के शिक्षकों के प्रति द्वेषपूर्ण कार्रवाई की जा रही है। विगत दो वर्षों से वरिष्ठता सूची का ही संधारण जिला शिक्षा अधिकारी एवं जेडी के द्वारा किया जा रहा है। बार-बार दस्तावेजों को मंगाकर कैसे भी इस प्रक्रिया में अकारण विलंब किया जा रहा है। अनेक स्थानों में विरोध का ऐसा वातावरण निर्मित हुआ है कि संपूर्ण प्रक्रिया को न्यायालय में ले जाने के अलावा शिक्षकों के समक्ष कोई विकल्प नहीं बचा है। पत्र में मांग की है कि अध्यापक संवर्ग के उच्च पद प्रभार के प्रति सकारात्मक रवैया रखकर प्रक्रिया सही तरीके से पूर्ण की जाए।

प्रदेश के कॉलेजों व विवि में शुरू होंगे फॉरेंसिक साइंस, खेल, फिजियोथेरेपी जैसे पाठ्यक्रम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए काम की खबर है। कॉलेजों व विश्वविद्यालयों में इस वर्ष से स्नातक (यूजी) स्तर पर व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं। इनमें फॉरेंसिक साइंस, खेल, फिजियोथेरेपी, कृषि जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं। करीब 15 प्रकार के रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इसके लिए विशेषज्ञों की भर्ती की जाएगी। शासन स्तर पर उच्च शिक्षा विभाग को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। वहीं प्रदेश के समस्त 55 प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस में बीबीए टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट डिग्री कोर्स शुरू किए जाएंगे। इनमें से अभी 10 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में चार वर्षीय बीबीए टूरिज्म एवं होटल मैनेजमेंट डिग्री कोर्स आरंभ होगा।

योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिले: ऊर्जा मंत्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति को मिले,इसी उद्देश्य से इस प्रकार के शिविर विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों पर आयोजित किए जा रहे हैं। यह जनसुनवाई शिविर तब तक जारी रहेगा जब तक आपकी समस्याओं का आंकडा शून्य न हो जाए। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिले इसके लिए सभी क्षेत्रीय कार्यालय अंतर्गत शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसके बाद प्रत्येक वार्ड में शिविर आयोजित कर आमजन की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर के दौरान जितनी भी शिकायतें प्राप्त हो रहीं हैं उनका शत प्रतिशत निराकरण किया जाए। अगर निराकरण संभव न हो तो शिकायतकर्ता को अवश्य अवगत करायें। ऊर्जा मंत्री तोमर ने जनसुनवाई में आये प्रत्येक हितग्राही के पास जाकर उनकी समस्याओं को सुना और निराकरण भी किया। जनसुनवाई शिविर में 500 से अधिक हितग्राहियों ने लाभ लिया।

कांग्रेस में बढ़ेगा महिलाओं का कद, नारी शक्ति वंदन अधिनियम के चलते पार्टी ने की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश कांग्रेस संगठन में महिलाओं का कद बढ़ने के साथ ही उनकी संख्या भी बढ़ेगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के चलते पार्टी महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने जा रही है। प्रदेश कार्यालय में हुई राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में इस विषय पर लंबी चर्चा के बाद तय किया गया है कि अधिनियम से विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा, इसलिए अभी से हर वर्ग में महिला नेतृत्व भी तैयार किया जाना चाहिए।

जल्द घोषित होगी कार्यकारिणी: लगभग 70 नेताओं की प्रदेश कार्यकारिणी जल्द घोषित होने वाली है। इसमें भी महिलाओं को पहले की तुलना में अधिक महत्व मिलने की आशा है। उल्लेखनीय है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम में विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें सुरक्षित रखने का प्रावधान है।

राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में शामिल पार्टी : पदाधिकारियों ने बताया कि महिला नेतृत्व में भी लगभग 50 प्रतिशत पदों पर युवा वर्ग को रखा जाएगा। बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी है कि जो महिलाएं महिला कांग्रेस में काम कर चुकी हैं या पार्टी के दूसरे संगठनों में सक्रिय रही हैं, उन्हें अवसर दिया जाए।

15 दिन बाद फिर होगी बैठक: पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी को अंतिम रूप देने के लिए 15 दिन बाद फिर बैठक होगी, जिसमें प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह व राजनीतिक मामलों की समिति के अन्य पदाधिकारी शामिल होंगे।

प्रदेश के सभी अंचलों में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार:मुख्यमंत्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में संतुलित और समतापूर्ण विकास की यात्रा को आगे बढ़ाते हुए निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए जबलपुर के रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में विभिन्न उद्योगपतियों और उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों से वन-टू-वन चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक गतिविधियों की दिशा में आने वाली सभी प्रक्रियाओं को सरल करते हुए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ रही है। प्रदेश में पर्याप्त लैंड बैंक भी उपलब्ध है। निवेशक और उद्यमी भरोसे के साथ निवेश करें, सरकार उनकी हर संभव मदद के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन-टू-वन वार्ता के क्रम में वोल्वो आयशर समूह के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री विनोद अग्रवाल से प्रदेश में ऑटोमोबाइल सेक्टर के विस्तार हाइडेलबरग सीमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के श्री जॉयदीप मुखर्जी से प्रदेश में सीमेंट इकाइयों के संचालन तथा विस्तार के संबंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बैद्यनाथ ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रणव शर्मा और स्वराज शूटिंग्स के अध्यक्ष शब्बीर खान से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा और नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश और गतिविधियों के विस्तार की संभावनाओं के संबंध में लोहिया एनर्जी के नितेश लोहिया, रमणीक पावर एंड एलॉयज के हर्ष त्रिवेदी वायजैक बायोफ्यूल्स के अतुल वैद्य से वन-टू-वन संवाद किया। सहवाग एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के रजनीकांत राय तथा ए.वी.जे.एग्रो के मैनेजिंग डायरेक्टर अभिनव सिंघल ने चर्चा की।

मेट्रो एंकर | मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व कुल गुरुओं एवं शिक्षकों का किया सम्मान

भारतीय संस्कृति में गुरूजनों का स्थान सर्वोच्च

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भारतीय संस्कृति में गुरुजनों का स्थान सर्वोच्च है। गुरू शिक्षा के साथ ही ज्ञान का प्रसार भी करते हैं। वे अपने शिष्यों को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गुरुजनों का सम्मान भारतीय परंपरा और संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गुरुजनों के सम्मान के लिए अब प्रदेश में हर वर्ष सभी स्कूल और कॉलेजों में गुरूपूर्णिमा का महापर्व मनाया जाएगा। विद्यार्थियों को गुरुओं की महत्ता बताई जाएगी। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के सभागृह में आयोजित गुरू पूर्णिमा के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाभारत के अनेक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए गुरू शिष्य परम्पराओं का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि गुरू शिक्षा के साथ ज्ञान भी देते हैं। वे अन्याय एवं अधर्म से लड़ना सिखातें हैं। जीवन जीने की कला सिखाते और शिक्षा एवं ज्ञान का दान करते हैं। इस कार्य में वे अपने कष्टों को भी बाधा नहीं बनने देते हैं। गुरू का साथ मिलते ही शिष्य के जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है और वह सफलता की ऊंचाइयों को प्राप्त करने लगता है। उन्होंने कहा कि गुरू-परम्परा समुचित मानवता को धन्य करने की परम्परा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आचार्य सांदीपनि का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि गुरुजन राष्ट्रवादी सोच का प्रवाह अपने शिष्यों में करते हैं। आचार्य सांदीपनि इसका बेहतर उदाहरण है। आचार्य सांदीपनि ने अपने ज्ञान से राष्ट्र निर्माण और अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव सिखाया है। गुरुओं का महत्व सबके के सामने आना चाहिए। इसके लिये हमने प्रदेश में हर वर्ष स्कूल और कॉलेजों में गुरू पूर्णिमा का महापर्व पूर्ण आस्था और श्रद्धा के साथ मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि भारत देश को अपने ज्ञान के आधार पर ही विश्व गुरु का दर्जा मिला है।

महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरू श्री मिथिला प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि गुरुओं का जीवन में अक्षुण्ण महत्व है। गुरू अंतस के अंधकार को भी मिटाता है। गुरू अपना सब कुछ शिष्य को दे देता है। गुरू शिष्य में प्रतिबिंबित होते हैं। गुरू ज्ञान के साथ ही संस्कार एवं जीवन मूल्य भी सिखाते हैं। गुरुओं के महत्व को बताने के लिये राज्य शासन द्वारा हर वर्ष गुरू पूर्णिमा का महापर्व मनाये जाने का निर्णय सराहनीय है। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा के.सी. गुप्ता ने भारतीय परंपरा में गुरु शिष्य के संबंधों की महत्ता पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के प्रारंभ में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलगुरू प्रो. रेणु जैन ने स्वागत भाषण दिया। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय सहित अन्य विश्वविद्यालयों के पूर्व कुलगुरूओं एवं शिक्षक गणों का सम्मान भी किया गया। साथ ही गुरू पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय गणित पर लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में उन्होंने मो?ी लिपि को देवनागरी लिपि में परिवर्तित करने, सॉफ्टवेयर तैयार करने वाली बालिका अंशिका जैन का सम्मान भी किया।

संपादकीय

सौहार्द के रास्ते ढूंढें

कांवड़ यात्रा के दौरान दुकानदारों को अपनी पहचान सार्वजनिक करने का आदेश तूल पकड रहा है। इसे उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड के हरिद्वार तक बढ़ा दिया गया है। मप्र में भी उज्जैन में ऐसे कदम की सुगबुगाहटें रहीं, बाद में स्थिति स्पष्ट हुई। जाहिर है कि इस कदम से व्यापक विरोध और चिंताएं पैदा हुई हैं, जिसमें एनडीए सहयोगी भी शामिल हैं। दरअसल शुरूआती दौर में जिस आदेश को उत्तर प्रदेश के एक जिला प्रशासन का स्थानीय स्तर पर लिया गया फैसला माना जा रहा था, वह तेज होते विरोध के बीच न केवल पूरे राज्य में बल्कि पड़ोसी राज्य उत्तराखंड के हरिद्वार में भी लागू कर दिया गया। इस आदेश के मुताबिक, कांवड़ यात्रा के पूरे रूट पर दुकान लगाने वाले तमाम लोगों के लिए अपनी पहचान सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा। इस आदेश को लेकर किस तरह का असमंजस फैला है, इसका अंदाजा एनडीए के ही एक प्रमुख नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी की प्रतिक्रिया से मिलता है। शुरू में इस आदेश के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार करते हुए उन्होंने कहा, 'कुछ अति उत्साही अधिकारियों के आदेश, छुआछूत की बीमारी को बढ़ावा दे सकते हैं।' यानि इस आदेश का विरोध करने वालों में नकवी अकेले नहीं थे। विपक्षी दलों के अलावा एनडीए के सहयोगी दलों के नेताओं की ओर से भी इसके विरोध की आवाज उठी थी। माना जा रहा था कि विरोध के बाद जिला स्तर पर हुए इस फैसले को वापस ले लिया जाएगा। लेकिन कुछ घंटों के अंदर पूरे राज्य में इस आदेश को लागू करने का निर्णय हो गया। इसके बाद नकवी भी अपना रुख पलटते दिखे। उनका कहना था कि शुरू में उस फैसले ने कुछ कन्फ्यूजन फैलाया था, लेकिन अब सरकार ने सब कुछ स्पष्ट कर दिया है। इस फैसले का विरोध करने की अब कोई वजह नहीं है। कांवड़ियों की शुचिता के तर्क के पीछे यह गलत मान्यता काम कर रही है कि किसी अन्य समुदाय के हाथ का छुआ खाने से किसी श्रद्धालु का धर्म भ्रष्ट हो सकता है। कानून व्यवस्था का तर्क भी उचित नहीं क्योंकि इससे पहले इस आदेश के बगैर भी कांवड़ यात्रा सुरक्षित माहौल में होती रही है। संक्षेप में, ऐसे आदेश हमारे संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं हैं। इन्हें वापस लेने में देर करना ठीक नहीं। बहरहाल विभिन्न राजनीतिक दलों के अंदर चाहे जैसा भी विचार मंथन हो रहा हो, यह आदेश आबादी के एक बड़े हिस्से में भ्रम और आशंका पैदा कर सकता है। एक समुदाय विशेष के मन में यह भाव गहरा हो सकता है कि सरकार धंधा-पानी करने के उसके अधिकार पर कुठाराघात करना चाहती है। चाहे जितने भी मासूम अंदाज में इस आदेश को पेश किया जाए, लेकिन पहचान बताने के इस आदेश का असर खास समुदाय के आर्थिक बहिष्कार के ही रूप में सामने आएगा। यह आशंका भी निराधार नहीं कि अलग पहचान वाले दुकानदारों पर कुछ असामाजिक और सांप्रदायिक तत्व कांवड़ियों के वेश में हमला कर दें, यानि यह आदेश सामाजिक समरसता पर भी सवाल हो सकता है। आज के दौर में जरूरत तो यह है कि हर समाज के बीच समन्वय और सौहार्द पैदा किया जाए। क्योंकि युवाओं के बीच अक्सर इस तरह की भावनाएं नहीं होती हैं लेकिन यह बात समाज में बार बार चर्चा में आएगी या ऐसे आदेश आते रहेंगे तो इसे ठीक मानना भी ठीक नही होगा। सरकार को कोई अन्य रास्ता निकालकर इस मामले को हैंडल करना चाहिये।

कुदरत का एक नियम है!
जो बांटोगे वही तुम्हारे पास बेहिसाब होगा
चाहे वो ... दौलत हो इज़्ज़त हो
नफरत हो या मोहब्बत!

आज का इतिहास

- 1209 अल्बेंसियन क्रूसेड की पहली बड़ी सैन्य कार्रवाई के रूप में एक क्रूसेडर सेना ने दक्षिणी फ्रांस में बेज़ियर्स पर कब्जा कर लिया और निवासियों की हत्या कर दी।
- 1706 स्कॉटलैंड और इंग्लैंड की संधि ने राष्ट्रीय विधायिकाओं द्वारा अनुसमर्थन के लिए लंदन में सहमत की।
- 1729 ब्राजील के एक मिनास गेराज में हीरे मिले
- 1731 स्पेन ने विएना की संधि पर हस्ताक्षर किये।
- 1775 जॉर्ज वॉशिंगटन ने अमेरिकी सेना की कमान संभाली। जार्ज अमेरिका के पहले राष्ट्पति थे।
- 1793 उत्तरी अमेरिका के मेक्सिको के उत्तर में एट्रांसकॉन्टिनेंटल क्रॉसिंग को पूरा करने वाले पहले रिकॉर्ड किए जाने वाले व्यक्ति बनने के दो दिन बाद, स्कॉटिशहेप्लेपर अलेक्जेंडर मैकेंजी ने हर्ज़ूरनी के पश्चिमी बिंदु पर पहुंचकर एक चट्टान पर अपना नाम अंकित किया
- 1802 जिया लॉन्ग ने हनोई पर विजय प्राप्त की और आधुनिक वियतनाम को एकीकृत किया, जिसने शताब्दियों के सामंती युद्ध का अनुभव किया।
- 1802 जीए लांग ने वियतनाम के अपने एकीकरण को पूरा करने के लिए हनोई पर कब्जा किया।
- 1808 फ्रेंच जनरल ड्यूपॉन्ट बेलेन की लड़ाई के बाद स्पेनिश ताकतों को आत्मसमर्पण कर दिया।
- 1864 अटलांटा की लड़ाई में अमेरिकी नागरिक युद्ध-संघर्ष बलों ने असफल रूप से संघ के सैनिकों पर हमला किया।
- 1873 सर बेंजामिन पाइन नताल के कॉलोनी के लेफ्टिनेंट-गवर्नर बनाये गए।
- 1894 दुनिया के पहले ऑटोरेस में पहले स्थान पर रहने के बावजूद, जूल्स-अल्बर्ट डी डायन को जीत नहीं मिली, क्योंकि उनकी भाप से चलने वाली कार नियमों से अलग थी।

निशाना

हुआ गड़बड़ बजट!

\- कृष्णेन्द्र राय

बढ़े दाम सब्जियों के ।
बिगड़ गया अब खेल ।।
आखिरकार कौन आकर ।
कसे तनिक नकेल ।।
हुआ गड़बड़ बजट ।
आ गई महंगाई ।।
था पहले टमाटर ।
जारी जगहंसाई ।।
साथ साथ आलू प्याज़ ।
करते कदमताल ।।
कब लौटेगी रौनक ?
बड़ा है सवाल ।।
जेब हो रही ढ़ीली ।
झेल रहे सब मार ।।
होता रहता बारिश में ।
अक्सर ये प्रहार ।।

बेरोजगारी-महंगाई जैसे मुद्दों की उपेक्षा ने घटाई भाजपा की सीटें, इस बार बजट में हम क्या देखेंगे?

■ पी. चिदंबरम

बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों की उपेक्षा ही 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की जीती गई सीटों की संख्या में कमी का कारण बनी, लेकिन इसका भाजपा को कोई पश्चाताप नहीं है। अब देखना है कि बजट में जनता को राहत मिल पाती है या नहीं?

अर्थव्यवस्था के कई अन्य ईमानदार शुभचिंतकों की तरह मैं भी हमेशा केंद्रीय बजट को पेश होने की पूर्व संध्या पर पढ़कर और विचार कर लिखता हूं और फिर अक्सर बजट के दिन संसद भवन से निराश होकर निकलता हूं। इसके बाद मैं लोगों के पास जाता हूं। विधायकों, अर्थशास्त्रियों, व्यापारियों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और सबसे बढ़कर पार्टी कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से बात करता हूं। इनसे मुझे जमीनी हकीकत का पता चलता है, खासकर स्थानीय बाजारों में होने वाली हलचलों के बारे में। पिछ्ले 10 वर्षों के दौरान लगभग हर साल मैंने पाया कि बजट में की गई 'घोषणाएं' 48 घंटों में गायब हो जाती हैं और चर्चाएं बंद हो जाती हैं।

कठिन चुनौतियां: इस निराशाजनक प्रदर्शन का मुख्य कारण बजट बनाने वालों का वास्तविकता से दूर रहना है, जिससे वे आर्थिक स्थिति का सही मूल्यांकन करने में असमर्थ रहते हैं। साल 2024-25 का बजट 23 जुलाई, 2024 को पेश किया जाएगा। आर्थिक स्थिति के सूक्ष्म मूल्यांकन से पता चलता है- युवाओं के साथ-साथ परिवारों और सामाजिक शांति के लिए बेरोजगारी सबसे बड़ी चुनौती है। दर्जनभर खाली पदों के लिए हजारों की संख्या में उम्मीदवार आवेदन करते हैं। परीक्षाओं में शामिल होते हैं और इंटरव्यू देते हैं। प्रश्न पत्र लीक हो जाता है। रिश्वत दी जाती है। कुछ परीक्षाएं या इंटरव्यू अंतिम समय में रद्द होना भारी निराशा का कारण बनते हैं। इसी का परिणाम है बेरोजगारी का भयंकर रूप से बढ़ना। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अखिल भारतीय स्तर पर बेरोजगारी की दर 9.2 प्रतिशत है। कहने को तो कृषि, निर्माण और गिग इकोनॉमी के क्षेत्र में रोजगार में वृद्धि हुई है। युवा ऐसी नियमित नौकरियां चाहते हैं, जिनमें उन्हें सुरक्षा और उचित वेतन भी मिले। इस तरह की नौकरियां सरकारी निकायों में उपलब्ध हैं। 2024 की शुरुआत में ऐसे पदों पर 10 लाख रिक्तियां थीं, लेकिन इस बात के कोई प्रमाण नहीं हैं कि केंद्र सरकार ने उन्हें भरने के लिए कोई इच्छा जताई हो। इस तरह की नौकरियां विनिर्माण क्षेत्र और वित्तीय सेवाओं, सूचना प्रौद्योगिकी, शिपिंग, हवाई परिवहन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा और शोध के क्षेत्र में पैदा की जा सकती थीं। विनिर्माण उत्पादन सकल घरेलू उत्पाद के 15 प्रतिशत पर आकर रुक गया। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि भारतीय प्रमोटरों ने इस क्षेत्र में निवेश करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। विनिर्माण और उच्च-मूल्य सेवाओं के तेजी से विस्तार के लिए आर्थिक नीतियों में आमूलचूल परिवर्तन और विदेशी निवेश के साथ विदेशी व्यापार को बढ़ावा देने के लिए साहसपूर्ण निर्णय लेने की आवश्यकता है। महंगाई या मुद्रास्फीति दूसरी सबसे बड़ी चुनौती है। सरकार द्वारा मापी गई थोक मूल्य मुद्रास्फीति 3.4 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर है। सीपीआई मुद्रास्फीति 5.1 प्रतिशत और खाद्य मुद्रास्फीति 9.4 प्रतिशत है। चूंकि भारत के हर हिस्से में सामानों की सप्लाई एक जैसी नहीं है, इसलिए अलग-अलग राज्यों और जिलों के दूरदराज इलाकों में कीमतों में अंतर देखने को मिलता है। अगर भारतीय आबादी के 20 से 30 प्रतिशत को छोड़ दिया जाए तो हर कोई महंगाई से प्रभावित हुआ है। इस वजह से कुछ लोगों में नाराजगी भी है। हालांकि बजट के भाषणों और आवंटन में बेरोजगारी से निपटने की ठोस रूपरेखा तैयार की गई है। इसके लिए आप सरकार को 50 अंक दे सकते हैं।

दो अन्य चुनौतियां : शेष 50 अंक शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और अन्य लोगों की प्राथमिकताओं के तहत आवंटित किए जा सकते हैं। भारत तब तक एक विकसित देश नहीं बन सकता, जब तक कि शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त नहीं किया जाएगा। शिक्षा, खासकर स्कूली शिक्षा का दायरा निस्संदेह बहुत व्यापक है, लेकिन उसकी गुणवत्ता खराब है। वास्तविकता यह है कि एक बच्चा औसत रूप से 7 से 8 साल स्कूल में बिताता है। इसके बाद भी करीब आधे बच्चे किसी भी भाषा में सरल पाठ पढ़ने या लिखने में असमर्थ हैं। संख्यात्मक रूप से यह चुनौतीपूर्ण है। वे किसी भी कुशल नौकरी के लिए उपयुक्त नहीं हैं। हजारों की संख्या में ऐसे स्कूल हैं, जहां एक ही शिक्षक हैं। वहीं, कई स्कूलों में बड़े पैमाने पर कक्षाओं, शौचालयों और शिक्षा सहायकों की भारी कमी है। पुस्तकालय या प्रयोगशालाओं की तो बात ही न करें। केंद्र सरकार को राज्य सरकार को मदद देते हुए इन बुनियादी समस्याओं को दूर करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, न कि एनईपी या एनटीए जैसे विवादास्पद संस्थानों को बढ़ावा देने में समय बर्बाद करना चाहिए। स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर तो हैं, लेकिन पर्याप्त नहीं हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में विस्तार हुआ है, लेकिन गुणवत्ता पर सवालिया निशान हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सरकारी सुविधाओं के बाद अब भी लोगों को अपनी जेब से करीब 47 फीसदी खर्च करना पड़ रहा है। निजी स्वास्थ्य सेवाएं संख्या और गुणवत्ता, दोनों में बढ़ रही हैं, लेकिन आम लोगों की पहुंच से बाहर हैं। कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है कि डॉक्टरों, नर्सों और तकनीकी सहायकों के अलावा स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी मशीनों की भारी कमी है। स्वास्थ्य देखभाल पर केंद्र सरकार का खर्च सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात के रूप में 0.28 प्रतिशत और कुल व्यय के अनुपात के रूप में 1.9 प्रतिशत तक गिर गया है, जिसके कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा को लेकर जनता संतुष्ट नहीं है।

एक जोरदार चेतावनी: अन्य लोगों की प्राथमिकताएं स्थिर मजदूरी, बढ़ता घरेलू कर्ज, मजदूरी के सामान की गिरती खपत, एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी, शिक्षा ऋण का बोझ और अग्निपथ जैसी योजनाएं हैं। इन चुनौतियों के समाधान हैं- न्यूनतम वेतन 400 रुपये, कानूनी रूप से गारंटीकृत एमएसपी, शिक्षा ऋण माफी और अग्निपथ का उन्मूलन। इन मुद्दों की उपेक्षा के कारण ही 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को अपने बूते बहुमत नहीं मिला, लेकिन इसका भाजपा को कोई पश्चाताप नहीं है। सार्वजनिक बयानों को देखें तो वह अपने मॉडल पर पुनर्विचार करने को भी तैयार नहीं है। लोगों ने जुलाई में 13 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा को जोरदार तमाचा मारा है। इंडिया ब्लॉक ने उनमें से 10 सीटों पर जीत हासिल की और उसका वोट शेयर भी बढ़ा। क्या बजट में इन चेतावनियों का जवाब मिलेगा, यह देखने वाली बात होगी।

लेखक पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं, यह उनके विचार हैं। साभार

ओशो ने आषाढ़ पूर्णिमा को लेकर कहा था 'सारा धर्म एक महाकाव्य...'

■ एसके तिवारी

जब ओशो से पूछा गया कि आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाने का क्या राज है? तो उन्होंने कहा था कि सारा धर्म एक महाकाव्य है। अगर यह तुम्हें खयाल में आए, तो आषाढ़ की पूर्णमा बढ़ी अर्थपूर्ण हो जाएगी। अन्यथा, एक तो आषाढ़, पूर्णिमा दिखाई भी न पढ़ेगी। बादल घिरे होंगे, आकाश तो खुला न होगा, चांद की रोशनी पूरी तो पहुंचेगी नहीं। और प्यारी पूर्णिमाएं हैं, शरद पूर्णिमा है, उसको क्यों न चुन लियाढ़ ज्यादा ठीक होता, ज्यादा मौजूं मालूम पढ़ता। नहीं; लेकिन चुनने वालों का कोई खयाल है, कोई इशारा है। वह यह है कि गुरु तो है पूर्णिमा जैसा और शिष्य है आषाढ़ जैसा। शरद पूर्णिमा का चांद तो सुंदर होता है, क्योंकि आकाश खाली है। वहा शिष्य है ही नहीं, गुरु अकेला है। आषाढ़ में सुंदर हो, तभी कुछ बात है, जहां गुरु बादलों जैसा घिरा हो शिष्यों से। शिष्ढ़य सब तरह के जन्ढ़मों-जन्ढ़मों के अंधेरे का लेकर आ गए। वे अंधेरे बादल हैं, आषाढ़ का मौसम हैं। उसमें भी गुरु चांद की तरह चमक सके, उस अंधेरे से घिरे वातावरण में भी रोशनी पैदा कर सके, तो ही गुरु है। इसलिए आषाढ़ की पूर्णिमा! वह गुरु की तरफ भी इशारा है उसमें और शिष्य की तरफ भी इशारा है। और स्वभावत- दोनों का मिलन जहां हो, वहीं कोई सार्थकता है।

ध्यान रखना, अगर तुम्हें यह समझ में आ जाए काव्य–प्रतीक, तो तुम आषाढ़ की तरह हो, अंधेरे बादल हो। न मालूम कितनी कामनाओं और वासनाओं का जल तुममें भरा है, और न मालूम कितने जन्मों-जन्मों के संस्कार लेकर तुम चल रहे हो, तुम बोझिल हो। तुम्हें तोढ़ना है, तुम्हें चीरना है। तुम्हारे अंधेरे से घिरे हृदय में रोशनी पहुंचानी है। इसलिए पूर्णिमा! चांद जब पूरा हो जाता है, तब उसकी एक शीतलता है। चांद को ही हमने गुरु के लिए चुना है। सूरज को चुन सकते थे, ज्यादा मौजूं होता, तथ्यगत होता। क्योंकि चांद के पास अपनी रोशनी नहीं है। इसे थोडा समझना।

चांद की सब रोशनी उधार है। सूरज के पास अपनी रोशनी है। चांद पर तो सूरज की रोशनी का प्रतिफलन होता है। जैसे कि तुम दीए को आईने के पास रख दो, तो आईने में से भी रोशनी आने लगती है। वह दीए की रोशनी का प्रतिफलन है, वापस लौटती रोशनी है। चांद तो केवल दर्पण का काम करता है, रोशनी सूरज की है। हमने गुरू को सूरज ही कहा होता, तो बात ज्यादा तथ्यपूर्ण होती। मिश्रित कर दे। चांद शून्य है; उसके पास कोई रोशनी नहीं है, और सूरज के पास प्रकाश भी महान है, विराट है। चांद के पास कोई बहुत बढ़ा प्रकाश थोढ़े ही है, बढ़ा सीमित है; इस पृथ्वी तक आता है, और कहीं तो जाता नहीं। पर हमने सोचा है बहुत, सदियों तक, और तब हमने चांद को चुना है दो कारणों से। एक, गुरु के पास भी रोशनी अपनी नहीं है, परमात्मा की है। वह केवल प्रतिफलन है। वह जो दे रहा है, अपना नहीं है; वह केवल निमित्तमात्र है, वह केवल दर्पण है। तु म परमात्मा की तरफ सीधा नहीं देख पाते, सूरज की तरफ सीधा देखना बहुत मुश्किल है। देखो, तो अढ़चन समझ में आ जाएगी। प्रकाश की जगह आंखें अंधकार से भर जाएंगी। परमात्मा की तरफ सीधा देखना असंभव है, आंखें फूट जाएंगी, अंधे हो जाओगे। रोशनी ज्यादा है, बहुत ज्यादा है, तुम सम्हाल न पाओगे, असह्य हो जाएगी। तुम उसमें टूट जाओगे, खंडित हो जाओगे, विकसित न हो पाओगे।इसलिए हमने सूरज की बात छोढ़ दी। वह थोढ़ा ज्यादा है; शिष्य की सामर्थ्य के बिलकुल बाहर है। इसलिए हमने बीच में गुरु को लिया है। गुरु एक दर्पण है, पकढ़ता है सूरज की रोशनी और तुम्हें दे देता है। लेकिन इस देने में रोशनी मधुर हो जाती है। इस देने में रोशनी की त्वरा और तीव्रता समाप्त हो जाती है। दर्पण को पार करने में रोशनी का गुणधर्म बदल जाता है। सूरज इतना प्रखर है, चांद इतना मधुर है! इसलिए तो कबीर ने कहा है, गुरु गोविंद दोई खढ़े, काके लागू पाय। किसके छुऊं पैरढ़ वह घढ़ी आ गई, जब दोनों सामने खढ़े हैं। फिर कबीर ने गुरु के ही पैर छुए, क्योंकि बलिहारी गुरु आपकी, जो गोविंद दियो बताय। सीधे तो देखना संभव न होता। गुरु दर्पण बन गया। जो असंभवप्राय था, उसे गुरु ने संभव किया है, जो दूर आकाश की रोशनी थी, उसे जमीन पर उतारा है। गुरु माध्यम है। इसलिए हमने चांद को चुना। गुरु के पास अपना कुछ भी नहीं है। कबीर कहते हैं, मेरा मुझमें कुछ नहीं। गुरु है ही वही जो शून्यवत हो गया है। अगर उसके पास कुछ है, तो वह परमात्मा का जो प्रतिफलन होगा, वह भी विकृत हो जाएगा, वह शुद्ध न होगा। चांद के पास अपनी रोशनी ही नहीं है जिसको वह मिला दे, है सूरज से, देता है तुम्हें। वह सिर्फ मध्य में है, माधुर्य को जन्मा देता है। सूरज कहना ज्यादा तथ्यगत होता, लेकिन ज्यादा सार्थक न होता। इसलिए हमने चांद कहा है। फिर सूरज सदा सूरज है, घटता-बढ़ता नहीं। गुरु भी कल शिष्य था। सदा ऐसा ही नहीं था। बुद्ध से बुद्ध पुरुष भी कभी उतने ही तमस, अंधकार से भरे थे, जितने तुम भरे हो। सूरज तो सदा एक सा है। इसलिए वह प्रतीक जमता नहीं। गुरु भी कभी खोजता था, भटकता था, वैसे ही, उन्हीं रास्तों पर, जहां तुम भटकते हो, जहां तुम खोजते हो। वही भूलें गुरु ने की हैं, जो तुमने की हैं। तभी तो वह तुम्हें सहारा दे पाता है। जिसने भूलें ही न की हों, वह किसी को सहारा नहीं दे सकता। वह भूल को समझ ही नहीं सकता। जो उन्हीं रास्तों से गुजरा हो; उन्हीं अंधकारपूर्ण मार्गों में भटका हो, जहां तुम भटकते हो, उन्हीं गलत द्वारों पर जिसने दस्तक दी हो, जहां तुम देते हो; मधुशालाओं से और वेश्यागृहों से जो गुजरा हो; जिसने जीवन का सब विकृत और विकराल भी देखा हो, जिसने जीवन में शैतान से भी संबंध जोढ़े हों, वही तुम्हारे भीतर की असली अवस्था को समझ सकेगा। नहीं, सूरज तुम्हें न समझ सकेगा, चांद समझ सकेगा। चांद अंधेरे से गुजरा है; पंद्रह दिन, आधा जीवन तो अंधेरे में ही डूबा रहता है। अमावस भी जानी है चांद ने, सदा पूर्णिमा ही नहीं रही है। भयंकर अंधकार भी जाना है, शैतान से भी परिचित हुआ है, सदा से ही परमात्मा को नहीं जाना है। यात्री है चांद। सूरज तो यात्री नहीं है, सूरज तो वैसा का वैसा है। अपूर्णता से पूर्णता की तरफ आया है गुरु चांद की तरह, एकम आई, दूज आई, तीज आई, धीरे-धीरे बढ़ा है एक-एक कदम। और वह घढ़ी आई, जब वह पूर्ण हो गया है। गुरु तुम्हारे ही मार्ग पर है; तुमसे आगे, पर मार्ग वही है। इसलिए तुम्हारी सहायता कर सकता है। परमात्मा तुम्हारी सहायता नहीं कर सकता। यह तुम्हें थोढ़ा कठिन लगेगा सुनना। परमात्मा तुम्हारी सहायता नहीं कर सकता, क्योंकि वह उस यात्रा में कभी भटका नहीं है, जहां तुम भटक रहे हो। वह तुम्हें समझ ही न पाएगा। वह तुमसे बहुत दूर है। उसका फासला अनंत है। तुम्हारे और उसके बीच कोई भी सेतु नहीं बन सकते। गुरु और तुम्हारे बीच सेतु बन सकते हैं। कितना ही अंतर पढ़ गया हो पूर्णिमा के चांद में, कहां अमावस की रात, कहां पूर्णिमा की रात। कितना ही अंतर पढ़ गया हो, फिर भी एक सेतु है। अमावस की रात भी चांद की ही रात थी, अंधेरे में डूबे चांद की रात थी। चांद तब भी था, चांद अब भी है। रूपांतरण हुए हैं, क्रांतिया हुई हैं; लेकिन एक सिलसिला है। तो गुरु तुम्हें समझ पाता है। और मैं तुमसे कहता हूं तुम उसी को गुरु जानना, जो तुम्हारी हर भूल को माफ कर सके। जो माफ न कर सके, समझना, उसने जीवन को ठीक से जीया ही नहीं। अभी वह पूर्ण तो हो गया होगा, जो मुझे संदिग्ध है। जो दूज का चांद ही नहीं बना, वह पूर्णिमा का चांद कैसे बनेगाढ़ धोखा होगा। इसलिए जो महागुरु हैं, परम गुरु हैं, वे तुम्हारी सारी भूलों को क्षमा करने को सदा तत्पर हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि स्वाभाविक है, मनुष्य मात्र करेगा। उन्होंने स्वयं की हैं, इसलिए दूसरे को क्या दोष देना! क्या निंदा करनी! उनके मन में करुणा होगी। तुम गुरु की पहचान इससे करना कि कितनी करुणा है। तुम जब क्रोधित हो जाओ और गुरु अगर तुम्हें नरक भेजने की धमकी देने लगे, तो समझना, करुणा नहीं है। तुम भटक जाओ, तुम मार्ग से उतर जाओ, तुम कामवासना से घिर जाओ, और गुरु तुम्हें माफ न कर सके, तो समझना कि गुरु पूर्णिमा का चांद नहीं है। उसने आवरण बना लिया होगा पूर्णिमा के चांद का। वह नकली चांद है, जैसा कि फिल्म के परदे पर दिखाई देता है। वह असली चांद नहीं है। चांद तो सारी यात्रा से गुजरा है, सारे अनुभव हैं उसके। मनुष्य मात्र के जीवन में जो हो सकता है, वह उसके जीवन में हुआ है। वही गुरु है, जिसने मनुष्यता को उसके अनंत–अनंत रूपों में जी लिया है, शुभ और अशुभ, बुरे और भले, असाधु और साधु के, सुंदर और कुरूप। जिसने नरक भी जाना है, जीवन का स्वर्ग भी जाना है; जिसने दुख भी पहचाने और सुख भी पहचाने, जो सबसे प्रौढ़ हुआ है। और सबकी संचित निधि के बाद जो पूर्ण हुआ है, चांद हुआ है। इसलिए हम सूरज नहीं कहते गुरु को, चांद कहते हैं। चांद शीतल है। रोशनी तो उसमें है, लेकिन शीतल है। सूरज में रोशनी है, लेकिन जला दे। सूरज की रोशनी प्रखर है, छिदती है, तीर की तरह है। चांद की रोशनी फूल की वर्षा की तरह है, छूती भी नहीं और बरस जाती है। गुरु चांद है, पूर्णिमा का चांद है। और तुम कितनी ही अंधेरी रात होओ और तुम कितने ही दूर होओ, कोई अंतर नहीं पढ़ता, तुम उसी यात्रा पथ पर हो, जहां गुरु कभी रहा है। इसलिए बिना गुरु के परमात्मा को खोजना असंभव है। परमात्मा का सीधा साक्षात्कार तुम्हें जला देगा, राख कर देगा। सूरज की तरफ आंखें मत उठाना। पहले चांद से नाता बना लो। पहले चांद से राजी हो जाओ। फिर चांद ही तुम्हें सूरज की तरफ इशारा कर देगा। बलिहारी गुरु आपकी, जो गोविंद दियो बताय। इसलिए आषाढ़ पूर्णिमा गुरु-पूर्णिमा है। पर ये काव्य के प्रतीक हैं।

नर्मदा कॉलेज में गुरु पूर्णिमा पर रहा उत्सव का माहौल

सांसद चौधरी ने नर्मदा कॉलेज पहुंचकर अपने गुरू प्राचार्य का किया सम्मान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।
भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में ज्ञान अर्जित करने के लिए गुरु का महत्व सर्वोपरि बताया है। नर्मदा अंचल में गुरु पूर्णिमा पर अनेक स्थानों पर उत्सव का माहौल दिखाई दिया. शिष्यों ने अपने गुरु के धाम जाकर गुरु की चरण वंदना की और उनसे जीवन में उन्नति का आशीर्वाद प्राप्त किया. गुरु पूर्णिमा पर जिले के प्राचीन महाविद्यालय

प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दर्शन चौधरी सांसद नर्मदापुरम ने नर्मदा कॉलेज पहुंचकर अपने गुरु प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे का सम्मान किया। इस दौरान वे उत्साहित और भाव विभोर हुए। उनके साथ राज्य सभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव, पूर्व जनभागीदारी समिति अध्यक्ष दिनेश तिवारी, हंस राय, रोहित गौर, के साथ बीजेपी उपाध्यक्ष राजेश तिवारी, मुकेश मैना एवं अन्य भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने भी महाविद्यालय पहुंच कर गुरुओं का सम्मान किया प्राचार्य ने श्री चौधरी को कालेज का गौरव बताते हुए कहा कि इस कालेज से निकल कर संसद तक विद्यार्थी पहुंचता है इससे बड़ी गुरु दक्षिणा और क्या होगी। ये मेरे लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है। सांसद ने पुष्पमाला, तिलक और श्रीफल भेंट देकर गुरुओं का अभिनंदन किया। आभार प्रकट करते हुए कहा कि आज मुझे गुरुओं के आशीर्वाद से मुझे देश की सेवा करने का मौका मिला है, महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों में खुशी का माहौल रहा। इस दौरान अभिनंदन कार्यक्रम में डॉ एस सी हर्ने, डॉ संजय चौधरी भी उपस्थित रहे।

हो सकता है बड़ा अंकगणित का खेल, जिससे चल रहे अवैध धंधे ?

ट्रेनों में अवैध वेंडरी के समक्ष बेबस रेलवे व सुरक्षा एजेंसिया

पुनीत मालवीय, इटारसी।
प्रदेश के सबसे बड़े रेल जंक्शन पर अवैध वेंडरी रुकने का नाम नहीं ले रही है, कहने को तो रेल प्रशासन यात्रियों और ट्रेनों की सुरक्षा के लिए कई इंतजाम करता है जिससे यात्रियों को कोई परेशानी नहीं हो सके लेकिन यह सब झूठे साबित हो रहे है। अभी भी ट्रेनों, रेलवे स्टेशन व आउटर पर धड़ल्ले से अवैध वेंडर अपना व्यापार कर रहे है। इससे रेल यात्रियों को परेशानियों का झेलना पड़ता है, ये अवैध वेंडर कई बार यात्रियों से ट्रेनों में मारपीट भी कर देते है। क्योंकि इनका कोई भी रिकार्ड रेलवे सुरक्षा एजेंसियो पर नहीं रहता। जिसके चलते ये ट्रेनों में कई बार आपराधिक गतिविधियों को भी अंजाम दे देते है। इन लोगो के बीच वर्चस्व की लड़ाईया कई बार हो चुकी है, कई अपनी जान भी गवा चुके है, लेकिन रेलवे की दोनों सुरक्षा एजेंसिया इनके नेटवर्क के आगे फ़ैल साबित हो रही है।

वही अवैध वेंडरी के साथ ही ट्रेनों में अभी भी यात्रियों से महिलाओं द्वारा किन्नर बनकर अवैध वसूली की जा रही है, जो आज तक आरपीएफ बंद नहीं करा पाई है। आरपीएफ बस कार्यवाही के नाम पर एक दो केस बना देती है। सूत्र बताते है कि रोक इसलिए नहीं लग पा रही है क्योंकि सबका अंकगणित का खेल चल रहा है, ये बेधड़क वसूली कर रही है। रेलवे के अधिकारियो के आने पर सबअवैध वेंडरो को स्टेशन से बाहर कर दिया जाता है, जिससे अधिकारियो कि नजर से ये बच जाते है।

अगर पुराना रिकार्ड देखा जाए तो इन अवैध वेंडरो और अवैध वसूली करने वाली महिलाओं व किन्नरो के बीच कई बार खूनी संघर्ष हो चुके है, इन लड़ाइयो में कई वेंडर की जान भी गई है इसके साथ ही आये दिन इन लोगों के बीच वर्चस्व की लड़ाई होती रहती है, जिसमे चाकूबाजी या ट्रैन से फेकना आम बात है।इन सब घटनाओ के बाद भी रेल प्रशासन इन गतिविधियों पर लगाम नहीं लगा पा रहा है।

महंगा देते है खाना

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों कई सुविधाओं के लिए कम रूपये में अच्छा उपलब्ध कराया जाता है, लेकिन ये अवैध वेंडर यात्रियों तक कम रूपये वाला खाना पहुंचने ही नहीं देते, जिससे ज्यादा क़ीमत में इनका खाना बिक सके। इसके चलते यात्रियों को दोहरी मार झेलना पड़ता है।

इन ट्रेनों में अवैध वसूली

प्रतिदिन भोपाल से इटारसी की ओर आने वाली सुबह के समय की गाड़ियों में यह महिलाए किन्नर बनकर यात्रियों से अवैध वसूली कर रही है, अगर कोई यात्री इन महिलाओं को पैसे देने से मना करता है तो यह महिलाएं उसके साथ आपत्तिजनक हरकतें करती हैं, जिसके कारण शर्म के चलते वह चुपचाप इन्हें पैसे दे देते है कुछ यात्रियों को तो यह बुरा भला भी कहती है, बेचारे यात्री अपने परिवार के साथ होने के कारण इन्हे पैसे दे देते है। प्रतिदिन भोपाल से इटारसी की और जाने वाली ट्रेन संख्या 12719 जयपुर हैदराबाद ,17019 जयपुर हैदराबाद, 11463 जबलपुर सोमनाथ व कई स्पेशल ट्रेन जो विकली होती है, वही इटारसी से खंडवा के बीच तुलसी एक्सप्रेस, भागलपुर एक्सप्रेस, पुष्पक एक्सप्रेस, काशी एक्सप्रेस, इटारसी से भोपाल को और जाने वाली ट्रेने व सुबह के समय जाने वाली कई गाड़ियों में यात्री बेचारे रोज इनसे लुटते है।

इनका कहना है

समय समय पर कार्यवाही की जा रही है, लेकिन आपके माध्यम से और जानकारिया मिली है। आर पी एफ को कार्यवाही के लिए निर्देशित किया जायेगा।

नवल अग्रवाल, पीआरओ रेल

भारी बारिश के चलते कलेक्टर ने दिए सभी अधिकारियों को अलर्ट मोड पर काम के निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।
नर्मदापुरम में भारी वर्षा होने की मौसम विभाग की चेतावनी के चलते कलेक्टर सोनिया मीना ने रात से ही सभी अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। डोलरिया 141 मिलीमीटर, सिवनी मालवा 76 मिलीमीटर, माखननगर 137 मिलीमीटर, पिपरिया 240 मिलीमीटर, बनखेड़ी 127.8 मिलीमीटर, पचमढ़ी 111.6 मिलीमीटर, सोहागपुर 164 मिलीमीटर, नर्मदापुरम 62 मिलीमीटर, इटारसी 168.4 मिलीमीटर, में बारिश हुई। सुबह से ही एडीएम, सभी एसडीएम, सीईओ, सीएमओ, तहसीलदार फ़ील्ड में उपस्थित रहे।नर्मदापुरम शहर और सोहागपुर, डोलरिया ग्रामीण सहित अन्य क्षेत्रों में राहत शिविर खुलवाये गये। शोभापुर पिपरिया मुख्य मार्ग, बनवारी मोकलवाड़ा रपटा एवं हथवास सिलारी रपटा, नगर परिषद बनखेड़ी क्षेत्र अंतर्गत स्थित ओल नदी पर मार्ग बाधित हुआ। कर्मचारी सुरक्षा हेतु तैनात कर दिए गए है। वर्षा होने के कारण जहां भी जलभराव की स्थिति थी उसका निरीक्षण कर उचित पानी निकासी की व्यवस्था जेसीबी से करवायी जा रही है। 11 मकान क्षतिग्रस्त होने की सूचना प्राप्त हुई। एक मृत्यु एवं एक गंभीर रूप से घायल महिला की सूचना प्राप्त हुई। सभी प्रकरणों में कलेक्टर द्वारा त्वरित चिकित्सा एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने के लिए निर्देशित किया गया।

जिले में अब तक 301.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रायसेन। जिले में 01 जून 2024 से 19 जुलाई 2024 तक 301.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है जो कि गत वर्ष इसी अवधि में हुई औसत वर्षा से 179.5 मिलीमीटर कम है। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1197.1 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 01 जून 2024 से 19 जुलाई 2024 तक जिले के वर्षामापी केन्द्र रायसेन में 293.8 मिलीमीटर, गैरतगंज में 193.6, बेगमगंज में 320.3, सिलवानी में 305.6, गौहरगंज में 299.9, बरेली में 445.6, उदयपुरा में 294.4, बाड़ी में 347.5, सुल्तानपुर में 320.2 तथा वर्षामापी केन्द्र देवरी में 190.9 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

जीनियस प्लानेट में गुरु पूर्णिमा मनाई गई

इटारसी। जीनियस प्लानेट सीनियर सेकेंड्री स्कूल इटारसी में गुरु पूर्णिमा का पर्व हर्ष उल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का आरंभ डायरेक्टर ज़ाफ़र एवं मनीता सिद्दीकी तथा विद्यालय प्राचार्य विशाल कुमार शुक्ला के द्वार मां सरस्वती के समक्ष पूजन अर्चन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ, विद्यालय की संगीत शिक्षिका श्वेता पगारे एवं विद्यार्थियों के द्वारा सरस्वती वंदना एवं गुरुवंदना की शानदार प्रस्तुति दी गई। स्कूल की शिक्षा पूनम यादव के द्वारा गुरु पूर्णिमा के पर्व का विस्तृत इतिहास विद्यार्थियों के साथ साझा किया गया, इसके पश्चात सिंकी मैडम के द्वारा विद्यार्थी जीवन में गुरु के महत्व को बताया गया। प्राचार्य विशाल कुमार शुक्ला द्वारा अपने एक गुरु को मोबाईल पर कॉल करके सजीव चर्चा की, उनके गुरु ने सभी विद्यार्थियों को गुरु का मान, सम्मान और सदैव आदर करने की समझाइश दी। कार्यक्रम का रोचक एवं सफल संचालन आलोक शुक्ला द्वारा किया गयाद्व विद्यार्थियों के द्वारा अपने गुरुओं को स्वयं द्वारा रंगीन कागजों से निर्मित पुष्प गुच्छ भेंट स्वरूप प्रदान किए गए एवं अपने अपने गुरुजनों का चरण वंदन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त स्टॉफ का सराहनीय योगदान रहा।

नपा के सामने गिरा पेड़, विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त बड़ी दुर्घटना टली

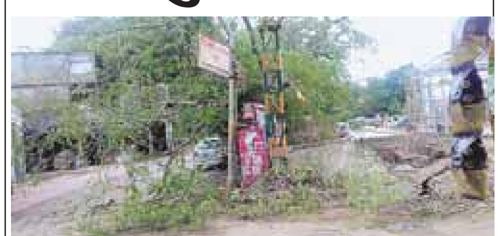

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।
नगर पालिका अपने कर्तव्य के प्रति किस तरह लापरवाही बरतती है इसका उदाहरण गत दिवस देखने को मिला. जब वर्षा के दौरान हवा आंधी चली और नगर पालिका के सामने लगा एक पेड़ की डाली चरमरा कर गिर गई. जिस समय यह दुर्घटना हुई उस दौरान वहां पर कोई आवागमन का दौर नहीं था नहीं तो कोई भी बड़ी दुर्घटना हो जाती. पेड़ की डाली टूटने से वहां पर लगे विद्युत लाइन के तार क्षतिग्रस्त हुए. नगर पालिका को कई बार आवत कराया कि इस पेड़ की कटाई कर दी जाए क्योंकि इसकी डालियां विद्युत तार के ऊपर से गुजर रही है जब कभी इस पेड़ की डाली गिरेगी तो विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त होगी और दुर्घटना की संभावना भी बनी रहेगी लेकिन नगर पालिका ने एक भी नहीं सुनी. आखिर वही हुआ जिसका अंदेशा था। नगर पालिका सिर्फ दुर्घटना होने का इंतजार करती है और जब दुर्घटना हो जाती है तब कहीं जाकर वहां सुधार का काम करती है. यदि कोई घटना होने से पहले ही वह अपना दायित्व का निर्वाहन ठीक से कर ले तो इस तरह की घटना दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है।

रोजगार मेला में 29 आवेदकों का प्राथमिक चयन

सीहोर। जिला रोजगार कार्यालय (मॉडल कैरियर सेंटर) द्वारा सीहोर जनपद पंचायत परिसर में 21 जुलाई को रोजगार मेला आयोजित किया गया। इस रोजगार मेला में 86 आवेदकों ने भाग लिया जिसमें सिक्युरिटी एण्ड इन्टेलिजन्स सर्विसेज (एसआईएस) अनूपपुर द्वारा सुरक्षा जवान, सुरक्षा सुपरवाइजर, सुरक्षा अधिकारी के पदों पर 29 आवेदकों का चयन किया गया। जिले में आयोजित इस मेले में कुल 350 आवेदकों की भर्ती की जाना है। जनपद पंचायत परिसर सीहोर में यह मेला 22 जुलाई को भी आयोजित किया जाएगा।

मेट्रो एंकर

पचमढ़ी मानसून मैराथन के छठवे संस्करण का हुआ आयोजन

देशभर से 1165 धावक मैराथन दौड़ में शामिल, 6 वर्ष के बच्चे से लेकर 82 वर्ष के बुजुर्ग ने लगाई दौड़

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।
सुप्रसिद्ध हिल स्टेशन पचमढ़ी में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड (एमपीटीबी) के सहयोग से 'एडवेंचर एंड यू' (के.ए.कनेक्ट) द्वारा रविवार को पचमढ़ी मानसून मैराथन का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। जिला प्रशासन नर्मदापुरम के सहयोग से आयोजित हुई मैराथन में देशभर से आए 1165 धावकों ने हिस्सा लिया। पचमढ़ी के प्राकृतिक सौंदर्य के बीच 42 किलोमीटर, 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर एवं 5 किलोमीटर श्रेणियों में के लिए मैराथन का आयोजन किया गया था। मैराथन दौड़ की शुरुआत एमपीटी ग्लेन व्यू होटल से हुई। 42 किलोमीटर दौड़ अलसुबह 3 बजे शुरू हुई। शेष तीनों दौड़ सुबह 6 बजे शुरू की गई। मैराथन को टूरिज्म बोर्ड के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव, डिप्टी डायरेक्टर वीरेंद्र खंडेलवाल ने फ्लैग ऑफ कर आरंभ किया। मैराथन में छः वर्ष के बच्चों से लेकर 82 वर्ष के बुजुर्ग ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। नर्मदापुरम जिले की पूर्व कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास भी मैराथन में उपस्थित रहीं।

विजेताओं को ट्रॉफी एवं मेडल से किया गया पुरस्कृत

समापन के बाद एक समारोह में अतिथियों द्वारा विजेताओं को ट्रॉफी व मेडल दिए। मानसून मैराथन में देशभर से लोग शामिल हुए और सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी में प्राकर्तिक सौंदर्य का आनंद लिया। 82 वर्ष के बुजुर्ग श्री मोहन लाल यादव, गोंदिया महाराष्ट्र को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में पर्यटन विभाग के क्षेत्रीय प्रबंधक ऐ यू खान, सहायक संचालक के. के. सिंह, केए कनेक्ट से मितेश रामभिया भी विशेष रूप से मौजूद थे।

मैराथन में ये धावक बने विजेता

- 42 किलोमीटर (पुरुष) में प्रथम विजेता अंकित शर्मा।
- 42 किलोमीटर (महिला) में प्रथम विजेता प्रेम लता गुप्ता।
- 21 किलोमीटर (पुरुष) में प्रथम विजेता मोहित कोरे।
- 21 किलोमीटर (महिला) में प्रथम विजेता निधि तरारे।
- 10 किलोमीटर (पुरुष) में प्रथम विजेता विशाल कौशल।
- 10 किलोमीटर (महिला) में प्रथम विजेता रीता तरारे।
- 5 किलोमीटर (पुरुष) में प्रथम विजेता अमित प्रजापती।
- 5 किलोमीटर (महिला) में जयश्री भूरे प्रथम विजेता रही।

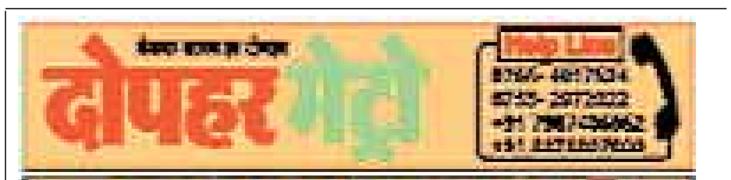

झोलाछाप चला रहे हैं अस्पताल क्लिनिक, जांच में खुली पोल

बीएमओ ने दिया नोटिस 7 दिन में करें बंद, नहीं तो करेंगे सख्त कार्रवाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

फर्जी तरीके से संचालित हो रहा है अस्पताल क्लिनिको पर शिकंजा कसने के लिए जहां पहले ही कार्रवाई करने के लिए एसडीएम में निर्देश दिए हैं दूसरी ओर सीएमएचओ के द्वारा भी इन पर कार्रवाई करने के लिए पत्र जारी किया था इसके बाद बीएमओ विकास सिंह बघेल ने शहर में संचालित हो रहे निजी अस्पतालों क्लिनिको का जांच करने करने के लिए पहुंचे तो किसी के पास रजिस्ट्रेशन नहीं मिला और ना ही एमबीबीएस डॉक्टर इनके यहां पर मौजूद थे। गलत तरीके से चल रहे अस्पताल क्लिनिको के 5 संचालकों नोटिस देकर 7 दिनों में बंद करने का अल्टीमेटम दिया है इसके बाद यदि चालू पाए गए तो कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। सबसे बड़ी बात तो है कि भोले वाले लोगों को अपने झांसे में लेने के लिए स्वार्थी झोलाछाप डॉक्टरों के बड़ी-बड़ी बीमारी का इलाज करने का सपना दिखाया जाता है और एमबीबीएस डॉक्टरों के आने से लेकर उनके नाम पर फर्जी तरीके से इनको संचालित किया जाता है इसकी वजह से कई बार मरीजों की मौत भी हो चुकीं हैं। इनके गड़बड़ झाले की पोल जब स्वास्थ्य विभाग की टीम जांच करने पहुंचती है तो खुलता है जांच में इनकी पोल खुलती है। कुछ ऐसे अस्पताल भी संचालित हो रहे हैं जिनके द्वारा एमबीबीएस के नाम पर रजिस्ट्रेशन कर रखा है और वह डॉक्टर

कभी आते ही नहीं है उनकी भी जांच स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों को करके मरीजों की सेहत के साथ खिलवाड़ करने वाले फर्जी डॉक्टर और संचालकों पर भी कार्रवाई करनी चाहिए जो मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रहे है।

वहीं स्वास्थ्य विभाग के द्वारा अपनी कार्रवाई करते हुए इन फर्जी क्लिनिको को सील करके प्रकरण दर्ज करवाने की चेतावनी भी दी गई है पहले भी फर्जी तरीके से संचालित हो रहे क्लिनिको तथा अस्पतालों पर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा कार्रवाई की गई है एक बार फिर से कार्रवाई प्रारंभ हुई है वीएमओ विकास सिंह बघेल ने बताया कि जांच के दौरान पाया गया कि इन झोलाछाप डॉक्टरों के द्वारा ही इनका संचालन किया था इनके पास रजिस्ट्रेशन भी नहीं था एमबीबीएस डॉक्टर भी हम मौजूद नहीं मिले 7 दिन का समय दिया है स्वयं इन फर्जी क्लिनिको और अस्पतालों बंद करके जानकारी नहीं तो हम अपनी कार्रवाई करेंगे जांच के दौरान बड़ी-बड़ी बीमारी का इलाज करने का काम किया था मरीज की भीड़ भी लगी हुई थी बोटल से लेकर इंजेक्शन लगाऐ जा रहे थे जो की पूरी तरह से गलत थे फिर भी इनको स्वास्थ्य विभाग ने अभी सील नहीं किया है।

पांच को थमाया नोटिस

बीएमओ डॉक्टर विकास सिंह ने बताया कि सीएमएचओ के पत्र के आधार पर पांच क्लीनिकों एवं हॉस्पिटल पर जाकर जांच की गई एवं नोटिस जारी किए गए जिनमें श्रीजी क्लिनिक, हेल्प एंड केयर हॉस्पिटल, डॉक्टर बंटी जैन क्लिनिक, कुशवाह पॉली क्लिनिक एवं डॉक्टर प्रदीप क्लिनिक को नोटिस जारी किए गए।

7 को छोड़कर बाकी सब चल रहे हैं फर्जी तरीके से

लगभग स्वास्थ्य विभाग के रिकॉर्ड में 7 अस्पतालों को छोड़ दिया जाए तो बाकी नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में सैकड़ो की संख्या में झोलाछाप के द्वारा क्लिनिक तथा अस्पताल संचालित करने का कार्य किया जा रहा है। कई मरीज की मौत भी इनकी लापरवाही के कारण हो चुकी है फिर भी नीचे से लेकर ऊपर तक के अधिकारी आंखें बंद करके तमाशा देख रहे हैं। ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण इनकी संख्या कम होने की जगह बढ़ती ही जा रही अब देखना है कि इनको नोटिस जारी किए हैं वह क्लीनिक अस्पताल बंद होंगे या फिर इसी तरह स्वास्थ्य विभाग की मिली भगत से इनका संचालन होता रहेगा और मरीजों की जान भी जाती रहेगी।

इनका कहना है-

फर्जी तरीके संचालित हो रहे क्लिनिको तथा अस्पतालों को 7 दिन में स्वयं को बंद करने का समय दिया है नहीं करेंगे तो हम कार्रवाई करेंगे इनके पास ना तो रजिस्ट्रेशन था एमबीबीएस डॉक्टर भी नहीं मिले।

***विकास सिंह बघेल** बीएमओ सिरोंज*

गुरु पूर्णिमा पर गुरुजनों की वंदना करने के लिए, भक्तों का लगा रहा तांता, हुए भंडारे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

रविवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सिरोंज के मंदिरों में एवं शालाओं में श्री लव कुश जानकी मंदिर देवपुर धाम पर कुशवाह समाजजनों के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजप पिछड़ा वर्ग भगत सिंह कुशवाह भोपाल और विशेष अतिथि कुशवाह महासभा तहसील अध्यक्ष राकेश कुशवाह युवा अध्यक्ष रामबाबू कुशवाह लव कुश समिति अध्यक्ष घनश्याम कुशवाहा आदि की मौजूदगी में हुई। त्रिपुर सुंदरी शीतला शक्ति वार्ड क्रमांक 17 पर पंडित नलिनी कांत शर्मा का उनके शिष्यों द्वारा फूल माला पहनकर उनकी पूजा अर्चना की गई एवं नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर दामोदर शर्मा जटाशंकर महादेव मंदिर सियाराम आश्रम मनसा पूरण मंदिर मदन मोहन सरकार मंदिर पर गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरुओं की पूजा अर्चना उनके शिष्य द्वारा की गई तथा मंदिरों पर आज गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कई धार्मिक आयोजनों का कार्यक्रम रखा गया मंदिरों पर भंडारा भी हुआ। जिसमें अतिथियों के द्वारा समाज के प्रतिभावान छात्रों का सम्मान किया जिन्होंने 10वी और 12वी में 70 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया भगत सिंह कुशवाह ने कहा समिति के कार्य की सराहना की समाज की एकता और शिक्षा पर जोर दिया, वहीं समाजजनों के सहयोग से पिछले तीन सालों से अखंड रामायण पाठ चल रहा, और धर्मशाला का निर्माण कार्य भी चल रहा है। इस दौरान बड़ी संख्या में समाज जन मौजूद थे।

19 वर्षीय बालक फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खेल एवं युवा कल्याण विभाग विकासखंड सिरोंज द्वार सी.एम. राइज विद्यालय मैदान पर 19 वर्ष बालक फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सिरोंज एवं लटेरी की 6 टीमों ने भाग लिया पहला मुकाबला सी. एम राइज 2 एवं संस्कार ग्रीन वैली के बीच खेला गया जिसमें संस्कार ग्रीन वैली स्कूल विजय रहा। दूसरा मुकाबला सिल्वर सिटी फुटबाल क्लब एवं लटेरी के बीच खेला गया जिसमें सिल्वर सिटी फुटबॉल क्लब विजय रहा पहला सेमीफाइनल सी. एम. राइज1 एवं संस्कार ग्रीन वैली के बीच खेला गया जिसमें रोमांचक मुकाबले में पैनल्टी शूटआउट सी. एम. राइज विजय रहा। दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला सिल्वर सिटी फुटबॉल क्लब एवं निर्मला कान्वेंट के बीच खेला गया जिसमें सिल्वर सिटी फुटबाल क्लब विजय रहा। फाइनल मुकाबला सी. एम. राइज विद्यालय 1 एवं सिल्वर सिटी स्कूल के बीच खेला गया जिसमे सिल्वर सिटी विजय रहा। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

पत्रकारिता की उपाधि मिलने पर कासिम को दी बधाई

सिरोंज। पत्रकार महासंघ के साथी कासिम खान को बैचलर ऑफ जर्नलिज्म पत्रकारिता में स्नातक की डिग्री मिलने पर सिरोंज पत्रकार महासंघ के सदस्यों ने कासिम खान का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया एवं बधाई दी। इस अवसर पर पत्रकार महासंघ के अध्यक्ष राजीव जैन सैनानी, नसीम खान, सलमान खान, तोषमणी पंथी, वसीम अख्तर, शैलेन्द्र रघुवंशी, रजी खान, अब्दुल अलीम, इरफान मंसूरी, अरबाज खान, नरेन्द्र बडसेना, सुनील नगीना, बब्लू यादव, तबरेज आलम चेतन पंथी आदि मौजूद रहे।

कावड़ यात्रा एवं अमरनाथ यात्रा को लेकर बैठक का आयोजन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कावड़ यात्रा एवं बाबा बुढ़ा अमरनाथ यात्रा को लेकर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल सिरोंज के संस्कार गार्डन फेस टू मैं बैठक का आयोजन रखा गया बैठक का शुभारंभ भगवान श्री राम जी के चित्र पर माला अर्पण कर बैठक का शुभारंभ किया गया 29 जुलाई को सिरोंज में छतरी नाका हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर में मार्केट होते हुए जटाशंकर महादेव मंदिर पर इस कावड़ यात्रा का समापन होगा संगठन के कार्यकर्ता एवं मातृशक्ति दुर्गा वाणी की बहनों से सभी से आग्रह किया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में इस कावड़ यात्रा में लोग पधारे ऐसा संगठन का आग्रह है बजरंग दल जिला संयोजक जगदीश शाक्य जिला बल उपासना प्रमुख अर्जुन शाक्य जिला प्रिंट मीडिया प्रमुख प्रदीप राठौर प्रखंड अध्यक्ष अनिल राठौड़ प्रखंड मंत्री तुलसी नारायण शाक्य रोहित यादव अशोक साहू गौरव जड़िया दिनेश साहू ज्ञान सिंह कुशवाहा प्रदीप राठौर नितेश गोस्वामी दुर्गा भवानी की बहने मैं बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

जिले में अब तक 347.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई

विदिशा। जिले में इस वर्ष अब तक 347.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज हो चुकी है जबकि आज रविवार को 9.9 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती कृष्णा रावत ने बताया कि जिले की तहसीलो में स्थापित वर्षामापी यंत्रो पर रविवार 21 जुलाई की प्रातः आठ बजे दर्ज हुई वर्षा तदानुसार विदिशा में 39 मिमी, बासौदा में 9.4 मिमी, कुरवाई में 3.6 मिमी, लटेरी में चार मिमी, गुलाबगंज में 18 मिमी, नटेरन में चार मिमी, शमशाबाद में 15 मिमी तथा पठारी तहसील में छह मिमी वर्षा दर्ज हुई है। इसके अलावा सिरोंज एवं ग्यारसपुर तहसील में वर्षा नगण्य रही। जिले की तहसीलो में अब तक दर्ज हुई वर्षा तदानुसार विदिशा में 442 मिमी, बासौदा में 246.8 मिमी, कुरवाई में 405 मिमी, सिरोंज में 273 मिमी, लटेरी में 512.1 मिमी, ग्यारसपुर में 282 मिमी, गुलाबगंज में 268 मिमी, नटेरन में 362 मिमी, शमशाबाद में 252.2 मिमी तथा पठारी तहसील में 435 मिमी वर्षा दर्ज हुई है।

सेमलखेड़ी में विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन अपर सत्र न्यायाधीश ने दी जानकारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

रविवार को ग्राम सेमलखेडी में न्याय सबके लिए है इस उद्देश्य को लेकर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें प्रथम जिला न्यायाधीश सुरेंद्र मेश्राम, ने कहा न्याय पाने के लिए आपको जागरूक होना पड़गा, नियमों का पालन करना होगा और सबूत एकत्रित करना होगा तब न्याय आपको मिलेगा गरीब असहाय लोगों को निशुल्क बकील और विधिक ज्ञाता कैसे प्राप्त करें उस की प्रक्रिया से ग्रामीणों को अवगत कराया उन्होंने कहा कि अशिक्षा और अज्ञानता वश आप न्याय से वंचित रहते हो हमारे शिविर का मूल उद्देश्य है की कानून की सभी को जानकारी हो और जब आप को कानून की जानकारी होगी तब ही आप अपना हक हासिल कर सकते हैं। वहीं सुश्री अंकिता जैन भी न्यायालय प्रक्रिया के तथा अधिकारों के बारे में ग्रामीणों को विस्तार से बताया एडवोकेट अशोक शर्मा ने भी विधि प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। इस दौरान ग्रामीणों के सवालों का जवाब भी न्यायाधीशों के द्वारा दिया गया।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में नवीन पाठ्यक्रम संचालित

विदिशा। शासकीय महाविद्यालय विदिशा को शासन द्वारा सत्र 2024-25 में प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस का दर्जा दिया गया है। जिसका विधिवत उद्घाटन भी हो गया है। संस्था प्राचार्य डॉ. सुमन कटारिया ने बताया कि सत्र 2024-25 में महाविद्यालय द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर विभिन्न नवीन पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। स्नातक स्तर पर एक नया 3 वर्षीय रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम बी कॉम इन रिटेल ऑपरेशन मैनेजमेंट महाविद्यालय द्वारा प्रारंभ किया गया है। इस पाठ्यक्रम में तृतीय वर्ष में छात्रों को इंटर्नशिप के साथ ही स्टाइपेंड शासन द्वारा प्रदान किया जाएगा। यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के उपरांत विभिन्न कंपनियों में छात्रों को रोजगार के अच्छे अवसर उपलब्ध होंगे, साथ ही महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर 4 वर्षीय ऑनर्स पाठ्यक्रम भी संचालित किया जा रहे हैं। जिन्हें पूर्ण करने पर विद्यार्थी एक वर्ष में मास्टर्स डिग्री पूर्ण करने का पात्र होगा।

मेट्रो एंकर

धरोहरों को संरक्षित करने में एक कदम और नगर विकास में चार चांद लगा सकता है

लटेरी के विकास को पचा नहीं पा रहा है विपक्ष, विधायक शर्मा की हो रही है सराहना

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

लटेरी अगोचर धरोहर या सांस्कृतिक, विरासत, अभिव्यक्तियां, ज्ञान और कौशल यह बो भण्डार हैं जिन्हें समुदाय, समूह या व्यक्ति अपनी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा मानते हैं..! इन विरासतों को जीवित सांस्कृतिक विरासत भी कहा जाता है लटेरी नगर की इन प्राचीन धरोहरों को अब सहेजने की जिम्मेदारी नगर परिषद को लेना होगा..! जिस नगर के वैभवशाली बाजार की मुख्य धरोहर जय स्तंभ चौक है, न्यायालय परिषर में बनी सुरई और पुरानी जनपद में धूल खाते स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की कहानी लिखे स्तंभ है..! अमूर्त सांस्कृतिक विरासत पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होते रहते हैं और निरंतर विकसित भी होते रहते है..!! यह धरोहरें समुदाय की पहचान से जुड़ी होती है और सामाजिक एकता को मजबूत करने में सहयोग करती है..!! यह शहर के सांस्कृतिक इतिहास से जुड़े रहने का एक अहम तरीका भी है..! अमूर्त सांस्कृतिक विरासत, सांस्कृतिक विविधता को सुरक्षित रखने और बढ़ावा देने के महत्व को भी मान्यता देती है..! इसमें उन सांस्कृतिक परंपराओं और प्रथाओं को संरक्षित करने की जरूरत पर भी जोर दिया जाता है जिनके खत्म होने का खतरा हो..! लिहाजा नगर परिषद की अध्यक्ष शैलेष अत्तु भण्डारी नगर की प्रथम नागरिक होने के नाते इन धरोहरों को संरक्षित करने में एक कदम और नगर विकास में चार चांद लगा सकता है, और यह आपकी जिम्मेदारी भी है..! भारत के नगर विकास का इंजन हैं बढ़ती शहरी जनसंख्या के साथ ही इनके लिए तरह-तरह की नीतियां भी बनाई जा रही हैं। इन कार्यक्रमों की मजबूती और उनकी कमियों पर एक नजर डाली जानी चाहिए। जिस प्रकार लटेरी नगर ने पिछले दो वर्षों गति पकड़ी है वह किसी से छुपी नहीं है। नगर के विकास में इस दिनों डबल इंजन की सरकार यानी सिरोंज विधायक विधायक उमाकान्त शर्मा सहित शैलेष भंडारी ने विकास के नए नए आयाम स्थापित किए है। जिनमे सिरोंज चौराहे से अस्पताल तक बनी सीसी सड़क हो या जय स्तंभ चौक से लेकर नगर के प्रमुख मार्ग हो, सिरोंज चौराहा पर निर्मित पुलिस चौकी और, सुलभ शौचालय न्यू बस स्टैंड को देख कर ऐसा ऐसा लगता है आज हम स्मार्टसिटी का अनुभव कर रहे हो।

जय स्तंभ से नगर की शोभा है

अब विकसित नगर के विकास की बात हो प्राचीन धरोहरों को सहेजने का जतन भी लाजमी है। मुख्य बाजार की शोभा बढ़ाने वाले जय स्तंभ चौक के पुनर्निर्माण का बेड़ा नगर परिश्रम को उठाना होगा। यह जय स्तंभ मुख्य मार्ग बनने की बजह से नीचा हो गया जिसे दोबारा से तैयार करना होगा। इसके साथ ही इसकी उचाई और जगह भी सुनिश्चित करने की आवश्यकता आन पढ़ी है।

तालाब के अस्तित्व को बचाने का निर्णय सराहनीय

लटेरी का सबसे प्राचीन मोतिया तालाब अपने अस्तित्व की लड़ाई बर्षो बरस से लड़ता चला आ रहा था। नगर के सबसे गंदे नाले इसके पानी को लगातार दूषित कर रहे थे तालाब का पानी सड़ान्ध मारने लगा था लोग इसके किनारे से गुजरने में भी परहेज करने लगे थे। लेकिन आज इसी तालाब का कायाकल्प लगभग एक करोड़ से भी अधिक राशि से किया जाने लगा है। तालाब के चारों तरफ पिचिंग के साथ गटर गंदे नालो का पानी बाहर निकालने की पूरी तैयारी की जा रही है तालाब के किनारे नगर परिषद द्वारा दुकानों के निर्माण के साथ साथ सौन्दर्यकरण पर भी काम किया जाने लगा है।

अब आप प्राचीन अस्तित्व को संभालो, यह आपकी जिम्मेदारी है

लटेरी न्यायालय के परिसर में एक प्राचीन धरोहर सुरई देखरेख के अभाव में अपन अस्तित्व खोती जा रही है। बारिश के कारण इस सुरई का कुछ हिस्सा छतिग्रस्त हो गया है लोगों का कहना है कि नगर की पहचान कहे जाने बाले इन स्मारकों का संरक्षण आवश्यक है। वहीं दूसरी और लटेरी की पुरानी जनपद के परिसर में एक स्मारक कैद है जिनपर स्वतंत्रता सेनानियों के लेख अंकित है इनका संरक्षण भी अति आवश्यक है। नगर के लोगों का कहना है कि जय स्तंभ चौक का जीर्णोद्धार कर और सुन्दर बनाया जाए, सुरई का जीर्णोद्धार कर मूलरूप में लाया जाए साथ ही पुराने जनपद में लगे स्मारकों को वहां से निकालकर उन्हें नगर के चौराहों पर स्थापित किया जाए तांकि लोगों को उनसे जानकारी प्राप्त होती रहे और उनका संरक्षण होता रहे।

नगर की सड़कें हुई चौंड़ी -

नगर के जिन रास्तों से लोग गुजरने में परहेज करते थे वे रास्ते आज सुगम हो चले है, जिन सड़को पर रात का अंधेरा लोगो के मन में भय पैदा करते थे, जिस नगर की सीमा को देखकर लोग तरह तरह के आक्षेप लगाकर बस्ती का नाम बदनाम करते थे आज बो सड़के आँख मूंद कर चलने लायक हो गई। जिस रास्तों पर अंधेरा भय उत्पन्न करता था आज भ सड़के रातभर जगमगाती है। लिहाजा विकास की स्वर्णिम इबारत शैलेष अत्तु भंडारी आपको एक अच्छा प्रथम नागरिक बनाती है।

इनका कहना है -

आपने मुझे चुनकर जो विश्वास किया है उस पर हमेशा खरा उतरने का यह तो एक छोटा सा प्रयास है, आप सभी के मार्गदर्शन और विधायक जी के निर्देशन में लगातार लटेरी नगर को विकास के उच्चतम शिखर तक आप सबके साथ लेकर चलेंगे, नगर विकास के लिए आप सभी मिलकर सुझाब देते चलिए हम आपकी उंगली पकड़कर निरंतर ईमानदारी से विकास करते रहेंगे।

***शैलेष अतु भंडारी,** अध्यक्ष नगर परिषद लटेरी*

देश और प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार है, मेरे भाई लक्ष्मीकांत शर्मा कभी विकासकार्यों को कराने से पीछे नहीं हटे ना में उनका छोटा भाई पीछे नहीं हटूंगा, सिरोंज-लटेरी में विकास की ऐसी कहानी लिखी जाएगी जो लोगों के लिए उदाहरण होगी। अभी तो विकास कार्यों की शुरुआत है।

***उमाकान्त शर्मा,** विधायक सिरोंज*

श्रीलंका दौरे के लिए अभिषेक नायर कोचिंग स्टाफ में शामिल

नीदरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर रेयान टेन भी जाएंगे; 27 को होगा पहला मुकाबला

नईदिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका दौरे के लिए भारत के पूर्व ऑलराउंडर अभिषेक नायर और नीदरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर रेयान टेन डोशेट को भारत के कोचिंग स्टाफ में शामिल किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गंभीर ने असिस्टेंट कोच को लिए अभिषेक नायर और नीदरलैंड्स के टेन डोशेट के साथ मोर्न मॉर्कल और कई खिलाड़ियों की बात की थी। हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उनकी दो मांगों को पूरा करते हुए श्रीलंका दौरे पर इन दोनों को ले जाने की मंजूरी दी है। वहीं, भारतीय टीम के फील्डिंग कोच टी. दिलीप ही रहेंगे। दिलीप टीम के साथ सोमवार को श्रीलंका जाएंगे। बॉलिंग कोच का नाम अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के ट्रॉय कूले खाली स्थान पूरा करने के लिए जा सकते हैं। यह पहली बार होगा कि टीम के कोचिंग स्टाफ में दो असिस्टेंट कोंच होंगे। रवि शास्त्री और राहुल द्रविड़ के समय पर कोई असिस्टेंट कोच नहीं था। गंभीर की मेंटरशिप के दौरान अभिषेक नायर और टेन डोशेट कोलकाता नाइट राइडर्स के असिस्टेंट कोच थे। अब इस बदलाव के चलते कोलकाता के पास हेड कोच चंद्रकांत पंडित और बॉलिंग कोच भरत अरुण के अलावा कोचिंग स्टाफ में कोई नहीं है।

गौतम गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच

गौतम गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच बन गए हैं। बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह ने मंगलवार को इसका ऐलान किया। 42 साल के गंभीर ने द वॉल के नाम से मशहूर राहुल द्रविड़ की जगह ली है। द्रविड का कार्यकाल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद खत्म हो गया। गंभीर का कार्यकाल जुलाई 2027 तक रहेगा। गंभीर ने डेढ़ महीने पहले कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2024 का चैंपियन बनाया था। वे इसी साल कोलकाता की फ्रेंचाइजी के मेंटॉर बने थे। इतना ही नहीं, गंभीर ने अपनी मेंटॉरशिप में लखनऊ सुपर जायंट्स को लगातार 2 सीजन के प्लेऑफ में पहुंचाया था।

वर्ल्ड चेस ओलंपियाड में खेलेगी 9 साल की बोधना

चेस बोर्ड से ठोकर लगी तो इसे हॉबी बनाया, अब नजर 'ग्रैंडमास्टर' पर

नईदिल्ली. एजेंसी

बोधना शिवनंदन बुडापेस्ट चेस ओलंपियाड के लिए इंग्लैंड की ओर से क्वालिफाई किया है। चौथी क्लास में पढ़ने वाली भारतीय मूल की ब्रिटिश बच्ची बोधना चेस में हाई लेवल पर इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करने वाली सबसे कम उम्र की प्लेयर बन गई है। बात 2020 की है, महामारी दुनियाभर में फैल रही थी। उसी वक्त लंदन में रहने वाले इंजीनियर शिवनंदन वेलायुधम के दोस्त को अचानक भारत लौटना पड़ा। वे अपना कुछ सामान लंदन में ही छोड़ गए। इन्हीं में से एक बैग में चेस बोर्ड था। शिव ने सामान फेंक दिया। वहीं पर खेल रही उनकी 5 साल की बेटी बोधना को बोर्ड से ठोकर लगी। उसने शिव से पूछा, तो उन्होंने चेस बोर्ड व मोहरे बेटी को दे दिए। हालांकि एक मोहरा कम था। बोधना की जिज्ञासा बढ़ती गई। इसके बाद उसने यूट्यूब और ऑनलाइन चेस खेलकर बारीकियां जानी। धीरे-धीरे वह पिता को हराने लगी, ऑनलाइन टूर्नामेंट भी जीतने लगी।

धैर्य रखकर हर चाल चलती है बोधना

इंग्लिश चेस फेडरेशन में इंटरनेशनल चेस के डायरेक्टर मैल्कम पेन कहते हैं, बोधना टीम में सबसे कम उम्र की प्लेयर है, उसकी दूसरी टीममेट लेन याओ 23 साल की हैं। पेन उसे पोजिशनल प्लेयर कहते हैं। वह मोहरों की स्थिति पर गहरी जानकारी रखती है। धैर्य रखकर हर चाल चलती है। इंग्लैंड के इंटरनेशनल मास्टर चेस प्लेयर लरिंस ट्रेंट को बोधना पर यकीन है कि वह ग्रेट प्लेयर बनेगी।

फिडे मास्टर के तौर पर रैंक की गई

पिछले दिसंबर में बोधना ने यूरोपीय ब्लिट्ज चेस चैंपियनशिप में वयस्क महिला प्लेयर्स को हराया और हाल ही में वह फिडे मास्टर के तौर पर रैंक की गई है। यह इंटरनेशनल चेस फेडरेशन द्वारा दी जाने वाली उपाधि है। अपने पहले लक्ष्य को हासिल करने के लिए बोधना के पास 3 साल हैं। सबसे कम उम्र में बैंडमास्टर बनने वाले अमेरिकी प्लेयर अभिमन्यु मिश्रा हैं। 2021 में ब्रेडमास्टर बनने के वक्त उनकी उम्र 12 साल, 4 माह 25 दिन थी।

दूसरा टेस्ट: 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त ली

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 241 रनों से हराया

नॉटिंघम, एजेंसी

इंग्लैंड ने 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 241 रनों से हरा दिया है। इस जीत के साथ इंग्लिश टीम ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त भी हासिल कर ली है। तीसरा और आखिरी मुकाबला बर्मिंघम में 26 जुलाई से खेला जाएगा। इंग्लैंड पहला टेस्ट मैच पारी और 114 रन से जीता था। 5 दिनी मुकाबले के चौथे दिन 385 रन का टारगेट चेज कर रही वेस्टइंडीज की टीम 143 रन पर ऑलआउट हो गई। कप्तान क्रेग ब्रेथवेट ने सबसे ज्यादा 47 रन बनाए, जबकि जेसन होल्डर ने 37 रनों की पारी खेली। शेष बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सके। इंग्लैंड के शोएब बशीर ने 5 विकेट लिए। क्रिस वोक्स और गॉस एटकिंसन को 2-2 विकेट मिले।

रूट-ब्रूक के शतक से स्कोर 400 पार

इंग्लैंड ने दूसरी पारी में जो रूट (122 रन) और हैरी ब्रूक (109 रन) के सहारे 425 रन बनाए और वेस्टइंडीज को जीत के लिए 385 रन टारगेट दिया। इंग्लिश टीम ने 248/3 के स्कोर से पारी आगे बढ़ाई। तब रूट 37 और ब्रूक 71 रन पर खेल रहे थे। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 189 रन की साझेदारी की। रूट ने अपने करियर का 32वां जबकि ब्रूक ने 5वा शतक लगाया। वेस्टइंडीज के जॉडेन सील्स (97 देकर 4 विकेट) ने ब्रूक को आउट करके यह साझेदारी तोड़ी। फिर रूट ने एक छोर संभाले रखा, लेकिन दूसरी ओर से साथ नहीं मिला। जेसन होल्डर ने रूट की पारी का अंत किया। निचले क्रम में गस एटकिंसन ने नाबाद 21 रन का योगदान दिया।

वेस्टइंडीज को पहली पारी में 41 रनों की बढ़त

शुरुआती दिनों में इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 416 रन बनाए थे। इसके जवाब में वेस्टइंडीज ने 457 रन बनाकर 41 रन की बढ़त हासिल की थी।

ओलंपिक 2024: भारत के शेफ डी मिशन गगन नारंग ने दी जानकारी

तीरंदाजी और नौकायन टीम खेलगांव पहुंची

पेरिस, एजेंसी

पेरिस ओलंपिक के लिए भारत के शेफ डी मिशन गगन नारंग ने शनिवार को सूचित किया कि तीरंदाजी और नौकायन दल खेल गांव पहुंच गए हैं और खिलाड़ी खेलों के इस महासमर में अपना अभियान शुरू करने के लिए उत्सुक हैं। तीरंदाजी और नौकायन दल ने शुक्रवार को पेरिस खेल गांव में प्रवेश किया और अपनी अंतिम तैयारियों में जुटी भारतीय पुरुष हॉकी टीम नीदरलैंड से शनिवार को खेल गांव पहुंची। लंदन ओलंपिक 2012 के कांस्य पदक विजेता निशानेबाज नारंग ने कहा, मैं गुरुवार रात को ही पेरिस पहुंच गया था और सारी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। खिलाड़ी धीरे-धीरे खेल गांव में सहज हो रहे हैं।

उत्साह से भरे हैं खिलाड़ी

नारंग ने बताया कि भारतीय खिलाड़ी काफी रोमांचित हैं और उत्साह से भरे हैं। चार बार के ओलंपियन नारंग ने कहा, उत्साह का माहौल है और खिलाड़ी भी एरेना में कुछ 'गेम टाइम' चाहते हैं। इस बीच नौकायन स्पर्धा में हिस्सा ले रहे बलराज पंवार ने पेरिस पहुंचते ही सीन नदी में अभ्यास भी शुरू कर दिया है।

पदक के दावेदार बढ़ रहे हैं

भारत के 117 खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में 20 स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे। नारंग ने कहा, मेरे लिए यह देखना गर्व का पल है कि भारतीय दल में पदक के दावेदार बढ़ रहे हैं। हमारे दल का प्रत्येक खिलाड़ी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की बराबरी करने ही नहीं बल्कि उन्हें पछाड़कर देश को गौरवान्वित करने में सक्षम हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

श्रद्धा ने प्रशंसकों से पूछा, दुनिया में सबसे अच्छी लाल चीज कौन सी है? फैंस बोले- 'स्त्री..'

श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म स्त्री 2 को लेकर लगातार प्रमोशन में जुटी हुई हैं। फिल्म का ट्रेलर सोशल मीडिया पर रिलीज किया जा चुका है। ट्रेलर को देखने को बाद स्त्री 2 को लेकर प्रशंसकों की उत्सुकता और अधिक बढ़ गई है। इन दिनों श्रद्धा लाल रंग को कुछ ज्यादा ही पसंद कर रही हैं। उन्होंने अपनी कुछ लाजवाब तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिनमें वह लाल रंग की स्टाइलिश ड्रेस में नजर आईं। दरअसल, फिल्म स्त्री 2 में लाल रंग को कुछ ज्यादा ही तवज्जो दी गई है, यही वजह है कि र्श्दधा ने अपनी आगामी फिल्म स्त्री 2 को प्रमोट करने के लिए सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें लाल रंग के लुक में साझा की हैं और साथ ही अपने प्रशंसकों की उत्सुकता बढ़ाने के लिए एक खास नोट भी साझा किया है। दरअसल, श्रद्धा कपूर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लाल रंग के स्टाइलिश आउटफिट में कुछ शानदार तस्वीरें साझा की हैं। लेकिन जिस चीज ने सबका ध्यान खींचा, वह था तस्वीरों के साथ लिखा हुआ उनका कैप्शन। श्रद्धा ने अपने प्रशंसकों से इन तस्वीरों को साझा करते हुए एक प्रशन पूछा और वह यह है - दुनिया में सबसे बेहतरीन लाल चीज कौन सी है?। इस पोस्ट पर अब श्रद्धा के प्रशंसकों की लगातार प्रतिक्रिया आ रही है। श्रद्धा इस रेड रंग के आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। श्रद्धा कपूर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह लाल रंग का साटन टॉप पहने नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने बालों को ढीला बांधकर सॉफ्ट मेकअप किया है। उन्होंने अपने इस शानदार लुक को पूरा करने के लिए चेन और इयररिंग्स भी पहने। तस्वीरें शेयर करते हुए श्रद्धा ने फैन्स से पूछा, दुनिया में सबसे बेहतरीन लाल चीज कौन सी है? एक फैन ने लिखा, स्त्री इन रेड। दूसरे ने लिखा, स्त्री की लाल साड़ी वाली तस्वीरें। कई लोगों ने दिल वाले इमोजी भी साझा किए हैं। बता दें फिल्म स्त्री 2 ट्रेलर वहीं से शुरू होता है जहां पहली फिल्म स्त्री खत्म हुई थी।

किरण राव बोलीं - अपनी खुशी के लिए लिया था तलाक का फैसला

फिल्म निर्देशक किरण राव और अभिनेता आमिर खान अब शादीशुदा जिंदगी में नहीं हैं। 2005 में इनका विवाह हुआ था। दोनों एक बेटे आजाद के माता-पिता बने, लेकिन वर्ष 2021 में इनकी राहें जुदा हो गईं। इनके तलाक की खबर सुनकर फैंस को तगड़ा झटका लगा था। तलाक जैसा फैसला जाहिर सी बात है कि किसी भी शादीशुदा जोड़े के लिए भी आसान नहीं होता, लेकिन किरण राव का कहना है कि उन्हें इस तलाक के बाद खुशी महसूस हुई। हाल ही में किरण राव फेय डिसूजा के शो में अपने तलाक पर चर्चा करती नजर आईं। इस दौरान उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे लोग आगे बढ़ते हैं, रिश्तों को अक्सर नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत पड़ती है। किरण राव ने अपने और आमिर खान के अलगाव को खुशहाल तलाक बताया। उन्होंने यह भी कहा कि तलाक के बाद उन्हें किसी भी स्तर पर अकेलापन महसूस नहीं हुआ। किरण ने कहा कि आमिर खान ने उन्हें काफी खुश किया। किरण राव अक्सर अपने पूर्व पति आमिर खान के साथ अपने रिश्ते पर बात करती नजर आती हैं। इससे पहले भी वे अपने रिलेशनशिप पर बात कर चुकी हैं।

बॉयफ्रेंड से झगड़ा करके बैठ जाती थीं जान्हवी, मूड स्विंग्स के कारण कर लेती थीं ब्रेकअप

अभिनेत्री जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'उलझ' को लेकर चर्चा बटोर रही हैं। यह फिल्म अगले महीने सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसके अलावा जान्हवी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इन दिनों वे शिखर पहाड़िया को डेट कर रही हैं। हाल ही में जान्हवी कपूर अपनी डेटिंग लाइफ पर बात करती नजर आईं। उन्होंने बताया कि कभी उनकी लाइफ में ऐसा वक्त भी रहा जब वह हर महीने अपने बॉयफ्रेंड से झगड़ा और ब्रेकअप कर लेती थीं। जान्हवी कपूर ने बताया कि हर महीने उनकी अपने बॉयफ्रेंड से लड़ाई होती थी और इसके बाद वह ब्रेकअप कर लेती थीं। खुद उन्हें इसकी वजह समझ नहीं आ रही थी। और यह सबकुछ मूड स्विंग्स के कारण हो रहा था। जान्हवी ने बताया कि शुरुआती वक्त में उन्हें भी पीएमएस के दौरान मूड स्विंग का सामना करना पड़ा। जान्हवी ने हाउटरफ्लाई के साथ बातचीत के दौरान यह खुलासा किया है। जान्हवी कपूर ने बताया कि पीएमएस और उसकी वजह से होने वाले मूड स्विंग्स का उनके बॉयफ्रेंड के साथ रिश्ते पर क्या असर पड़ता था। अभिनेत्री ने कहा, पीरियड्स के शुरुआती कुछ सालों में वह उस शख्स से ब्रेकअप कर लेती थीं। शुरुआती दो-तीन महीने उनके बॉयफ्रेंड को भी शॉक लगा रहता था। हालांकि, इसके बाद बॉयफ्रेंड को इसकी आदत हो गई और वह कहता, हां, ठीक है। जान्हवी कपूर ने आगे यह भी स्वीकार किया कि वह फिर से उसी व्यक्ति के पास जाकर बाकायदा माफी मांगती थीं। उन्होंने कहा, दो दिन बाद मैं रोते हुए उसके पास जाती और सॉरी कहती। मुझे समझ नहीं आता था कि मेरा दिमाग इस तरह क्यों काम कर रहा है। यह बहुत ही अजीब था। बात करें जान्हवी कपूर की फिल्म उलझ की तो यह 2 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का ट्रेलर जारी हो चुका है और इसे काफी पसंद किया गया। हाल ही में जान्हवी कपूर की तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें फूड पॉइजनिंग के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

मेट्रो बाजार

अब एयरबस भारत में तैयार करेगा एच-125 हेलीकॉप्टर

8 एफएएल साइट का इस साल होगा भूमिपूजन

मुंबई, एजेंसी

दुनिया भर में एयरलाइन निर्माता कंपनी एयरबस की मात्र ऐसी तीन जगहें हैं जहां कंपनी ने अपने अंतिम असेंबली लाइन स्थापित किए गए हैं। अंतिम असेंबली लाइन का मतलब जहां कंपनी अपने एच 125 हेलीकॉप्टर्स का निर्माण करती है। वहीं एयरबस के अधिकारियों ने कहा कि यह सुविधा, जो एकल इंजन एच 125 के लिए चौथी अंतिम असेंबली लाइन (एफएएल) होगी, शुरू में सालाना 10 हेलीकॉप्टरों का उत्पादन करेगी और बाजार की मांग के आधार पर क्षमता बढ़ाई जाएगी। एयरबस हेलीकॉप्टर के वैश्विक व्यापार के कार्यकारी उपाध्यक्ष ओलिवियर माइकलॉन ने कहा, भारत हेलीकॉप्टरों के लिए भविष्य का बाजार है। वर्तमान में, बाजार बेहद प्रारंभिक अवस्था में है, जो कि संभावित संभावनाओं की तुलना में बहुत छोटा है। एफएएल के लिए भूमिपूजन समारोह इस साल अक्टूबर या नवंबर में होने की उम्मीद है और यह सुविधा 2026 में चालू हो जाएगी जबकि डिलीवरी 2026 के अंत में शुरू होने की उम्मीद है। ओलिवियर माइकलॉन ने बताया कि हमने आठ जगहों की पहचान की है जिनका हम वर्तमान में मूल्यांकन कर रहे हैं। हम अभी भी मूल्यांकन के अंतिम चरण में हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में मैरिग्नेन में एक ब्रीफिंग में माइकलॉन ने कहा, हम आकर्षक और ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र में रहना चाहते हैं जो औद्योगिक गतिविधियों, रसद, कर्मचारियों और निश्चित रूप से, विनियमों के लिए सबसे उपयुक्त हो। वहीं ओलिवियर माइकलॉन ने जोर देकर कहा कि 10 हेलीकॉप्टरों का निर्माण बहुत ज्यादा नहीं है और बाजार की मांग के आधार पर कुछ सालों में यह 20, 30 या 50 हो सकता है।

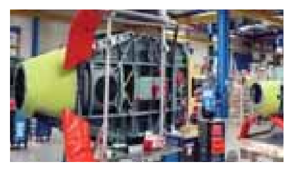

12 घंटे से ज्यादा तक बढ़ाया जा सकता है आईटी कर्मियों के काम का समय, प्रस्ताव पर विचार कर रही सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी

कर्नाटक में निजी क्षेत्र में नौकरी का आरक्षण देने वाले विधेयक पर हंगामा थमा नहीं था कि एक और नया विवाद पैदा हो गया है। राज्य सरकार अब आईटी कर्मचारियों के काम के घंटे बढ़ाने की योजना बना रही है। हालांकि, इसका आईटी क्षेत्र की यूनियनों ने विरोध किया है। दरअसल, सरकार मौजूदा 10 घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे से अधिक प्रतिदिन करने की योजना बना रही है। कर्नाटक दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन से आईटी क्षेत्र के यूनियनों में रोष फैल गया है, जिनका तर्क है कि कामकाजी घंटे बढ़ाने से कर्मचारियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर खतरनाक असर पड़ सकता है। 12 घंटे के कार्य दिवस की सुविधा के लिए कर्नाटक दुकान और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव उद्योग में विभिन्न हितधारकों के साथ श्रम विभाग द्वारा बुलाई गई बैठक में पेश किया गया। कर्नाटक राज्य आइटी/आइटीइएस कर्मचारी संघ (केआइटीयू) के प्रतिनिधि पहले ही श्रम मंत्री संतोष लाड से मिल चुके हैं और इस कदम पर अपनी चिंताएं व्यक्त कर चुके हैं। नए प्रस्ताव के अनुसार, आईटी आईटीईएस/बीपीओ क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारी को एक दिन में 12 घंटे से अधिक काम करने की अनुमति दी जा सकती है और लगातार तीन महीनों में 125 घंटे से अधिक काम करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। केआईटीयू के महासचिव सुहास अडिगा ने बताया, इससे आईटी/आईटीईएस कंपनियों को काम के दैनिक घंटे अनिश्चित काल तक बढ़ाने में मदद मिलेगी।

9 साल की बच्ची की सांप के काटने से हुई मौत

सर्पदंश के बाद परिजनों ने क्रीम लगाया, तबीयत बिगड़ने से हो गई मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कोलार थाना क्षेत्र स्थित कजलीखेड़ा कोलार में 9 साल की बच्ची की सर्पदंश से मौत हो गई। सर्पदंश की बात से अंजान परिजन ने उसे पेन किलर क्रीम लगा दिया था। रविवार शाम उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चुरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार इलमा पिता मुसाहिद खान (9) मोदी किराना स्टोर्स के पास कजलीखेड़ा में रहती थी और कक्षा तीसरी में पढ़ती थी। शनिवार को इलमा को सांप ने काट लिया। इलमा ने परिजन को यह बात नहीं बताई। उसके केवल यह बताया था कि उसे दर्द हो रहा है। परिजन ने दर्द होने वाली जगह पर पेन किलर क्रीम लगा दिया।

रविवार शाम बिगड़ी तबीयत

परिजन ने बताया कि रविवार शाम इलमा की तबीयत बिगड़ने लगी तो वह उसे लेकर निजी अस्पताल पहुंचे थे। वहां रात करीब 12 बजे के आसपास इलमा को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है।

डीपी से लगा करंट आठ साल के मासूम की मौत

इधर, निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित कपिला नगर में करंट से झुलसकर आठ साल के मासूम की मौत हो गई। परिजन का कहना है कि उसे ट्रांसफार्म की डीपी से करंट लगा है, जबकि पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि उसे नहाने के बाद घर में रखे कूलर से करंट लगा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। परिजन पीएम नहीं कराना चाहते थे। लिहाजा पुलिस ने परिजन से लिखित में ले लिया है। पुलिस के अनुसार सऊद पिता जावेद (8) कपिला नगर में रहता था। रविवार दोपहर वह नहाकर बाथरूम से बाहर निकला और कमरे में रखे कूलर के संपर्क में आ गया। कूलर में करंट आने के कारण उसे तगड़ा झटका लगा था और परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजन ने की मुआवजे की मांग: हादसे के बाद सऊद के परिजन ने बिजली विभाग से मुआवजे की मांग करने की बात कही थी। साथ ही कहा था कि वे पीएम नहीं कराना चाहते हैं।

तीन महीने बाद दर्ज कराई रोड एक्सीडेंट की रिपोर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया इलाके में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। करीब तीन महीने बाद तबीयत में सुधार होने पर उसने थाने जाकर ट्रक चालक के खिलाफ एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक रामदयाल केवट (43) ग्राम पमरिया थाना नटेरन जिला विदिशा के रहने वाले हैं। तीन महीने पहले 16 अप्रैल को दोपहर करीब बारह बजे वह अपने दोस्त की मोटर सायकिल वापस करने के लिए बैरसिया जा रहे थे। उनके आगे भांजा जितेंद्र और उसके पिता रामस्वरूप चल रहे थे। रामदयाल जैसे ही ग्राम हिनौतिया पीरान स्थित वेयर हाउस के पास पहुंचे तभी एक ट्रक के चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। सिर और शरीर में गंभीर चोट आने के कारण रामदयाल मौके पर ही बेहोश हो गए। उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल से आने के बाद उनकी तबीयत खराब चल रही थी। स्वास्थ्य में सुधार होने पर शनिवार को रामदयाल ने थाने जाकर टक्कर मारने वाले ट्रक चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का प्रकरण दर्ज करवाया।

नाबालिग के साथ बदमाश ने की अड़ीबाजी व झूमाझटकी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गौतम नगर में रहने वाले एक नाबालिग के साथ बदमाश ने शराब के लिए पैसों की अड़ीबाजी की और रुपए नहीं देने पर मारपीट कर दी। इस दौरान बीच-बचाव करने पहुंची नाबालिग की मां के साथ भी उसने झूमाझटकी की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक इंद्रा सहायता नगर में रहने वाला सोलह वर्षीय किशोर पढ़ाई करता है। उसके पिता विजय अहिरवार पास ही कबाड़े की दुकान चलाते हैं। शनिवार दोपहर करीब बारह बजे किशोर दुकान पर मौजूद था, जबकि उसके पिता काम से बाहर गए थे। इसी बीच मोहल्ले का एक बदमाश महेश उर्फ मिथुन पहुंचा और शराब पीने के लिए किशोर से पांच सौ रुपए की मांग करने लगा। किशोर ने रुपये देने से इंकार किया तो उसने कालर पक?कर हाथ-मुक्कों से मारपीट करनी शुरू कर दी। शोर शराबा सुनकर मां रजनी अहिवार बीच-बचाव करने पहुंची तो बदमाश ने उनके साथ भी झूमाझटकी कर दी। आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया तो बदमाश धमकी देते हुए भाग निकला। पिता के लौटने पर किशोर ने घटना की जानकारी दी और बाद में थाने जाकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करवाया। बदमाश के खिलाफ करीब एक दर्जन अपराध पहले से दर्ज बताए गई हैं।

छुरी लेकर सड़कों पर घूम रहे तीन युवक पकड़ाए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीटी नगर, हनुमानगंज और निशातपुरा पुलिस ने अवैध रूप से छुरी लेकर घूम रहे तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि अटल पथ पर एक युवक छुरी लेकर घूम रहा है जो किसी वारदात को अंजाम दे सकता है। सूचना के बाद टीटी नगर पुलिस मौके पर पहुंची तो संदेही युवक भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर दबोच लिया गया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम आयुष गोलाइत निवासी अम्बेडकर नगर बताया। तलाशी लेने पर उसके पास एक छुरी रखी मिली, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। इधर हनुमानगंज पुलिस ने महाकाल मंदिर रोड कबाड़खाना के पास असद भूरा और निशातपुरा पुलिस ने करोंद स्थित दशहरा मैदान के पास नदीम खान निवासी टीला जमालपुरा को अवैध रूप से छुरी के साथ गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

देवेभो कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के एक दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी की रविवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। काम करते हुए वह अचानक गश खाकर गिर गए थे। बेहोशी की हालत में उन्हें जेपी अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के असल कारण सामने आ सकेंगे। पुलिस के मुताबिक एलआईजी-58 लुबिनी परिसर, कमलानगर निवासी विलास सावरकर (55) इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में दैनिक वेतनभोगी श्रमिक थे। रविवार सुबह करीब साढ़े दस बजे काम करने के दौरान वह अचानक गश खाकर गिर पड़े। साथी कर्मचारी उन्हें जेपी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। वहां परीक्षण के बाद चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया था। अनुमान लगाया जा रहा है कि हार्ट अटैक आने से बुजुर्ग की मौत हुई है।

अरेरा कॉलोनी ई-1 में गाड़ियां आपस में टकराई, विवाद, बलवा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित ई-1 अरेरा कॉलोनी में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात दो गाड़ियां आपस में टकराने से विवाद बढ़ गया। विवाद बढ़ने से दोनों पक्षों की ओर से झूमा-झटकी और मारपीट की गई। पुलिस ने एक पक्ष की शिकायत पर दूसरे पक्ष पर बलवा, मारपीट समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है, जबकि दूसरा पक्ष अभी अपनी शिकायत लेकर थाने पहुंचा ही नहीं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार शुभ्रा त्रिपाठी पति रविशंकर त्रिपाठी (63) ई-1, अरेरा कॉलोनी में रहती हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उनकी गाड़ी को कॉलोनी में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपनी गाड़ी से टक्कर मार दी थी। टक्कर मारने का विरोध किया तो आरोपियों ने अपने परिचितों को बुला लिया और घर के सामने विवाद करते हुए मारपीट कर दी। पुलिस ने उक्त मामले में अज्ञात 7-8 लोगों पर बलवा और मारपीट की शिकायत दर्ज की है।

छात्रा का पीछा कर युवक ने की अश्लील हरकत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। निशातपुरा थाना क्षेत्र में स्कूली छात्रा से युवक ने अश्लील हरकत कर दी। वह काफी दिनों से पीछा कर छात्रा को परेशान कर रहा था। शनिवार को आरोपी उसकी कोचिंग तक पहुंच गया तो पी?िता ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार बैरसिया रोड निवासी 17 वर्षीय किशोरी स्कूली छात्रा है। वह करोंद स्थित एक सेंटर पर कोचिंग क्लास जाती है। विकास नामक युवक काफी दिनों से उसका आते-जाते पीछा कर परेशान कर रहा था। शनिवार सुबह छात्रा कोचिंग पहुंची तो विकास भी उसके पीछे पहुंच गया। सेंटर की सीढियों के पास उसने छात्रा को रोक लिया और शादी करने का दबाव बनाने लगा। छात्रा ने शोर मचाया विकास वहां से भाग निकला। घर पहुंचकर छात्रा ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

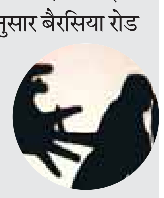

गांधी नगर में सड़क हादसे में घायल हुए युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित होली फैमिली स्कूल के पास बाइक फिसलने से एक युवक घायल हो गया। उसे गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां इलाज के दौरान रविवार शाम उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मचूर्री भेज दिया है। पुलिस के अनुसार शुभम जाटव पिता रेवाराम जाटव (27) गांव रतनपुर, परवलिया सड़क इलाके में रहता था और प्राइवेट काम करता था। गत 16 जुलाई को होली फैमिली स्कूल के सामने उसकी बाइक फिसल गई। गंभीर चोट होने के कारण उसका अस्पताल में इलाज चल रहा था और रविवार शाम उसकी मौत हो गई।

मेट्रो एंकर कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित भदभदा डैम की घटना

मछली पकड़ते समय भदभदा डैम में युवक की डूबने से हुई मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित भदभदा डैम में रविवार दोपहर एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। युवक शनिवार को मछली पकड़ने का कहकर घर से निकला था। इसके बाद घर नहीं लौटा। परिजन ने उसकी गुमशुदगी भी श्यामला हिल्स थाने में दर्ज कराई थी। रविवार दोपहर कुछ लोगों ने उसकी लाश डैम में देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से लाश बाहर निकाल पीएम के बाद परिजन को सौंप दी है।

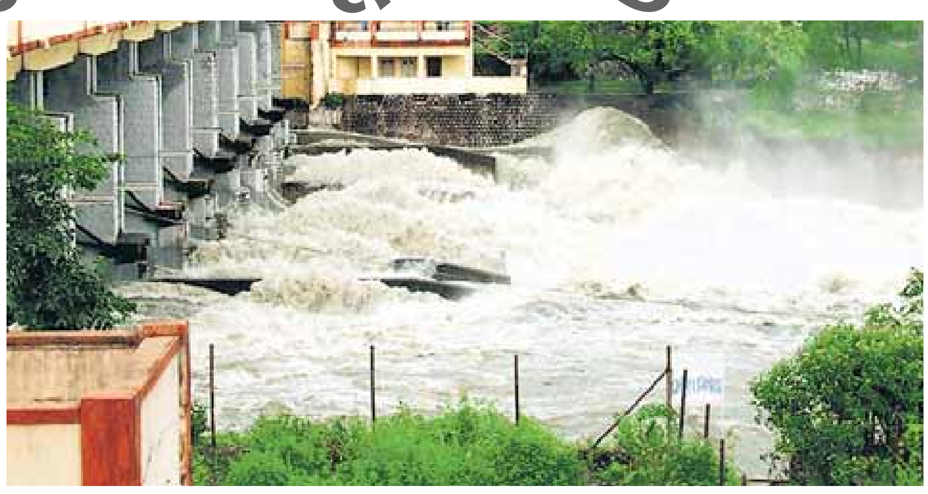

पुलिस के अनुसार मोहम्मद जाफर पिता सहाबुद्दीन (32) हसनात नगर, श्यामला हिल्स में रहता था और प्राइवेट काम करता था। शनिवार सुबह वह घर से निकला था। इसके बाद भद्भदा के पास डैम किनारे बैठकर मछलियां पकड़ रहा था। शाम को वह घर नहीं पहुंचा तो परिजन ने उसकी तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। इसके बाद श्यामला हिल्स थाने पहुंचकर उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई।

इधर, रविवार दोपहर करीब 3 बजे के आसपास कमला नगर पुलिस को सूचना मिली कि किसी युवक की लाश भदभदा डैम में पड़ी है। पुलिस ने लाश बाहर निकलवाई और मृतक की शिनाख्त मोहम्मद जाफर के रूप में कर ली।

पुलिस को परिजन ने बताया कि जाफर मजदूरी करता था और उसे मिर्गी के दौरे आते थे। अनुमान है कि मिर्गी का दौरा आने के कारण वह डैम में गिर गया होगा।

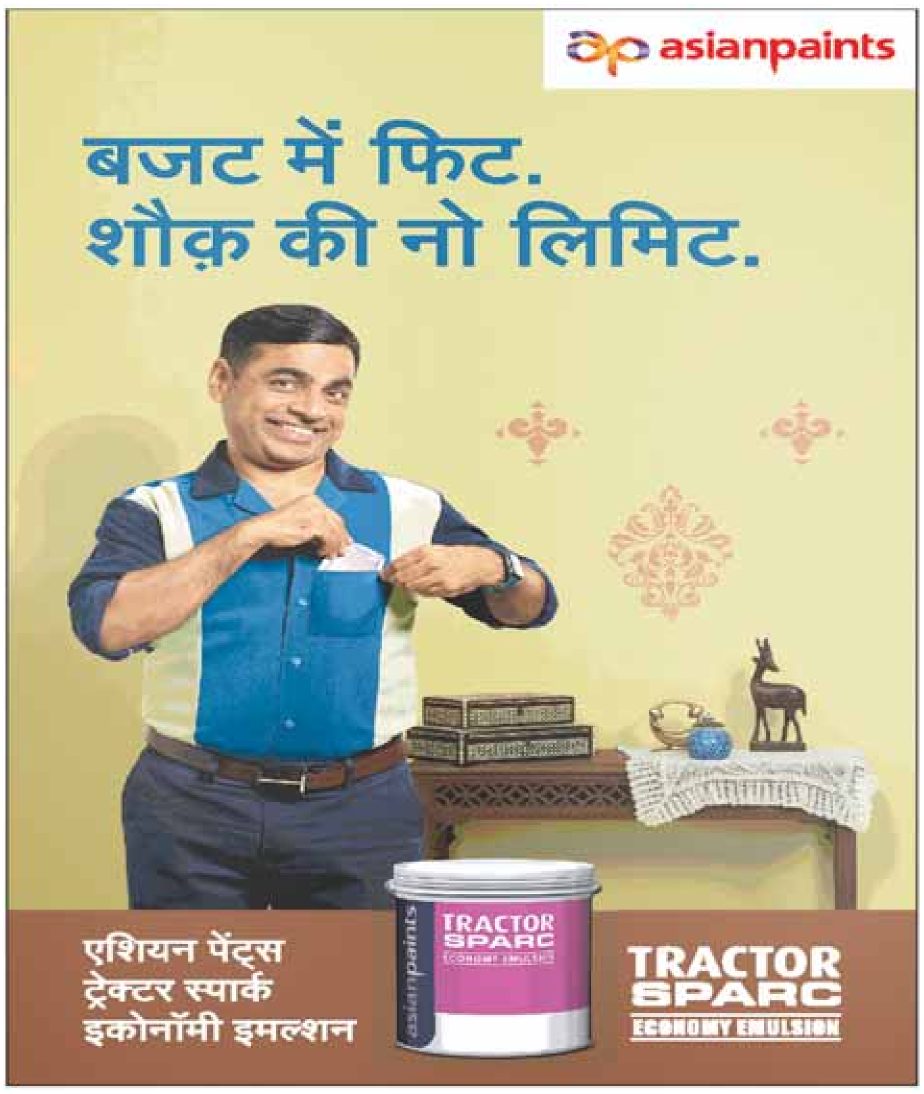

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022